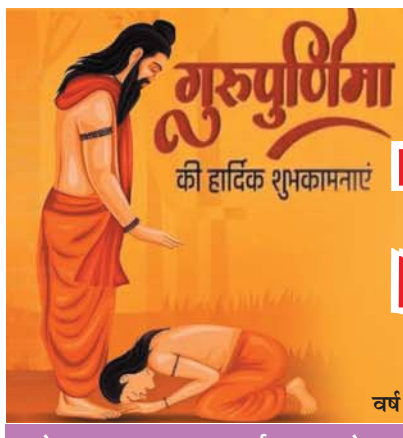

गुरुपूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं

दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 325/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 | संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल | आर.एन.आई 22296/71 डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 10 जुलाई 2025 भोपाल से प्रकाशित | वाणी शीतल चन्द्रमा मुख-मण्डल सूर्य समान, गुरु चरनन त्रिलोक है, गुरु अमृत की खान- गुरुपूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं | dainiksandhyaprakash.in

पांच देशों की यात्रा के बाद भारत लौटे पीएम मोदी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी पांच देशों की यात्रा के बाद वापस लौट आए हैं। उनका विमान गुरुवार सुबह पालम एयरपोर्ट पर उतरा। पीएम मोदी ने अपने आठ दिवसीय दौरे के दौरान घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया सहित पांच देशों की यात्रा की। उन्होंनें ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी भाग लिया।

घाना में मिला सर्वोच्च सम्मान- पीएम नरेंद्र मोदी दो जुलाई को सबसे पहले घाना पहुंचे। यहां पीएम मोदी को घाना के सर्वोच्च नागरिक सम्मान द ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना से सम्मानित किया गया। इसके बाद पीएम मोदी ने घाना की संसद को संबोधित किया। बता दें कि तीन दशक बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने घाना का दौरा किया।

त्रिनिदाद एंड टोबैगो और भारत के बीच हुए छह समझौते - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घाना की सफल यात्रा के बाद कैरेबियन देश त्रिनिदाद एंड टोबैगो पहुंचे। देश की राजधानी पोर्ट ऑफ स्पेन पहुंचने के बाद एयरपोर्ट पर पीएम मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। त्रिनिदाद और टोबैगो की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कंगालू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को त्रिनिदाद और टोबैगो का सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार, द ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद एंड टोबैगो

प्रदान किया। उन्होंने यहां संसद को संबोधित किया। भारत और त्रिनिदाद एंड टोबैगो के बीच छह अहम समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी और त्रिनिदाद एंड टोबैगो की पीएम कमला प्रसाद बिसेसर के बीच हुई मुलाकात के बाद दोनों देश बुनियादी ढांचे के विकास, फार्मास्यूटिकल और रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए।

अर्जेंटीना में हुआ भव्य स्वागत- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने विदेश दौरे के तीसरे चरण में दक्षिण अमेरिकी देश अर्जेंटीना पहुंचे। पीएम मोदी ने इस देश में राष्ट्रपति माइली और कई फुटबॉल खिलाड़ियों से भी मुलाकात की। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली ने राजधानी ब्यूनस आयर्स में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया। दोनों नेताओं ने साथ बैठक की। पीएम मोदी ने कहा कि हम भारत-अर्जेंटीना राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने और अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने के 5 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। हमने अपने द्विपक्षीय संबंधों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। हम इस बात पर सहमत हैं कि आगे की यात्रा और भी अधिक आशाजनक है।

ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने ब्राजील पहुंचे

विदेश दौरे के चौथे पड़ाव पर पीएम मोदी चार दिनों के लिए ब्राजील गए। यहां के रियो डी जेनेरियो में उन्होंने 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लिया। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- आतंकवाद आज मानवता के लिए सबसे गंभीर चुनौती बन गया है। 20वीं सदी में बनी वैश्विक संस्थाएं 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने में असमर्थ हैं। चाहे दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे संघर्ष हों, महामारी हो, आर्थिक संकट हो या साइबरस्पेस में नई उभरती चुनौतियां हों, इन संस्थाओं के पास कोई समाधान नहीं है।

ब्रासीलिया में हुआ सम्मान

ब्रिक्स सम्मेलन में भाग लेने के बाद पीएम मोदी ब्राजील की राजकीय यात्रा के लिए ब्रासीलिया रवाना हुए। यहां उनका भव्य स्वागत किया गया। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान ग्रैंड कॉलर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द सदर्न क्रॉस से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा की मौजूदगी में भारत और ब्राजील के बीच कई अहम समझौतों (स्श्वह्य) पर हस्ताक्षर किए गए। ये समझौते दोनों देशों के बीच व्यापार, विज्ञान, तकनीक और सांस्कृतिक सहयोग को मजबूती देने की दिशा में एक बड़ा कदम माने जा रहे हैं।

सांध्यप्रकाश विशेष

ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे बाधित केदारनाथ यात्रा कुछ समय के लिए रोकी

देहरादून। ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग सिरोहबगड़ में बीती देर रात से मलबा आने के कारण बाधित है। केदारनाथ यात्रा मार्ग पर बारिश के चलते सोनप्रयाग में कुछ समय के लिए यात्रियों को रोका गया। यमुनोत्री हाईवे ओजरी के पास लगातार 12वें दिन भी बंद है, जिससे यात्रियों और स्थानीय लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। राजमार्ग निर्माण खंड द्वारा यहां बैली ब्रिज का निर्माण अंतिम चरण में है। ईई मनोज रावत ने बताया कि ब्रिज पर डेग प्लेट बिछाई जा रही है और दोपहर बाद इसे यातायात के लिए खोलने की संभावना है। प्रदेश में बारिश के बाद मलबा आने से 87 सड़के बंद हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक बंद सड़कों को खोलने का प्रयास किया जा रहा है। परिचालन केंद्र के मुताबिक चमोली जिले में 17, बागेश्वर में 9, अल्मोड़ा में एक, चंपावत में तीन, देहरादून में पांच, नैनीताल में सात, पौड़ी में छह, पिथौराढ़ में 15, रुद्रप्रयाग में चार और टिहरी में आठ सड़कें बंद हैं। जबकि उत्तरकाशी जिले में एक राजमार्ग सहित 12 सड़के बंद हैं। उत्तराखंड के पर्वतीय इलाकों में गुरुवार को भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार देहरादून समेत रुद्रप्रयाग, नैनीताल और बागेश्वर जिले के कुछ इलाकों में तेज दौर की बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। अन्य जिलों में हल्की बारिश होने की संभावना है।

एलन मस्क के स्टारलिंक प्रोजेक्ट को भारत सरकार से मंजूरी मिली

नई दिल्ली। अमेरिकी कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक अब भारत में अपनी सेवा देने के लिए तैयार है। मस्क की कंपनी स्टारलिंक को भारत में इंटरनेट सैटेलाइट के संचालन की मंजूरी मिल गई। यह फैसला भारत के सुदूर इलाकों तक भी हाई-स्पीड सैटेलाइट इंटरनेट सेवा देने में

सक्षम होगा। स्टारलिंक को भारत की स्पेस 'रेगुलेटर इन स्पेस' ने मंजूरी दे दी। यह मंजूरी स्टारलिंक के लिए भारत में कमर्शियल सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवाएं शुरू करने की दिशा में आखिरी रेगुलेटरी रुकावट थी। मस्क की स्टारलिंक अब यूटिलसेट-वनवेब और रिलायंस जियो के बाद भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं के लिए पूरी मंजूरी हासिल करने वाली तीसरी कंपनी बन गई है। मंजूरी मिलने के बाद स्टारलिंक को अब सरकार से स्पेक्ट्रम हासिल करना होगा। उसे देशभर में ग्राउंड इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना होगा और राष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के हिसाब से टेस्टिंग करनी होगी।

शशि थरूर ने अब आपातकाल पर कांग्रेस को घेरा, की गई क्रूरता

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस सांसद शशि थरूर एक बार फिर अपनी ही पार्टी के खिलाफ खड़े हुए हैं। इस बार उन्होंने कांग्रेस को आपातकाल को लेकर घेरा है। उन्होंने कहा कि आपातकाल में अनुशासन और व्यवस्था के नाम पर क्रूरता की गई। आपातकाल को भारत के इतिहास का महज काला

अध्याय नहीं मानना चाहिए, बल्कि इसके सबक को पूरी तरह से समझना जरूरी है। उन्होंने आपातकाल में इंदिरा गांधी और संजय गांधी के कामों को लेकर सवाल उठाए। एक मलयालम अखबार में प्रकाशित लेख में कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने 25 जून 1975 और 21 मार्च 1977 के बीच प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा घोषित आपातकाल के काले युग को याद किया। उन्होंने कहा कि अनुशासन और व्यवस्था के लिए किए गए प्रयास क्रूरता में बदल दिए गए। जिन्हें उचित नहीं ठहराया जा सकता। कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य शशि थरूर ने कहा कि इंदिरा गांधी के पुत्र संजय गांधी ने जबरन नसबंदी अभियान चलाया। यह आपातकाल का गलत उदाहरण बना। ग्रामीण इलाकों में मनमाने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए हिंसा और जबरदस्ती की गई। नई दिल्ली जैसे शहरों में झुग्गियों को बेरहमी से ध्वस्त कर दिया गया और उन्हें साफ कर दिया गया। हजारों लोग बेघर हो गए। उनके कल्याण पर ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। यह एक बहुमूल्य विरासत है जिसे निरंतर पोषित और संरक्षित किया जाना चाहिए।

कमला नेहरू सांदीपनि कन्या स्कूल में गुरु पूर्णिमा महोत्सव, मोहन यादव ने वितरित की...

4.30 लाख स्टूडेंट्स को मिली निःशुल्क साइकिलें

आधुनिक स्कूल भवन का किया लोकार्पण

भोपाल। हम सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले हैं। हम घर से बोरी लेकर आते थे। उस पर ही बैठते और जब बारिश होती थी तो उससे ही सर ढक कर जाते थे। अब यह समय आ गया है कि सरकारी स्कूलों में भी बस सर्विस शुरू होने जा रही है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही। वे भोपाल के तात्या टोपे नगर स्थित कमला नेहरू सांदीपनि कन्या स्कूल में गुरु पूर्णिमा महोत्सव को संबोधित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इसी कार्यक्रम से प्रदेशव्यापी निःशुल्क साइकिल वितरण योजना का शुभारंभ किया। वर्ष 2025-26 में इस योजना के तहत राज्यभर के करीब 4 लाख 30 हजार पात्र विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिलें वितरित की गई। इस महत्वाकांक्षी योजना पर 195 करोड़ रुपए व्यय होंगे। साइकिल मिलने पर दूरदराज से आने वाले विद्यार्थियों को स्कूल पहुंचने में

सुविधा होगी।उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन पर लाड़ली बहनों को 250 रुपए अतिरिक्त दिए जाएं यानी इस बार बहनों को 1500 रुपए मिलेंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने नव-निर्मित, सर्व-सुविधायुक्त स्कूल भवन का लोकार्पण किया। वे निःशुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत विद्यार्थियों को साइकिल बांटेंगे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि सांदीपनि विद्यालय की कल्पना मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की। मुझे लगता है कि जब लोग बच्चों से पूछते हैं कि आप कहां जा रहे हैं तो उन्हें सांदीपनि स्कूल बताते हुए स्वयं को तो गौरव की अनुभूति होगी। साथ ही, जिसके कानों में यह शब्द जाएगा उसे भी लगेगा कि हम अपनी ऋषि परंपरा, हमारी पुरानी संस्कृति से जुड़े हुए हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने तय किया कि विद्यालय का नाम सीएम राइज के स्थान पर सांदीपनि विद्यालय होना चाहिए।

36 करोड़ की लागत से बना सांदीपनि स्कूल का नवीन भवन

कमला नेहरू सांदीपनि कन्या स्कूल का भवन 36 करोड़ रुपए की लागत से बनकर तैयार हुआ है। यह भवन आधुनिक सुविधाओं से लैस है, जिसमें सर्व-

सुविधायुक्त लैब, एक विशाल लाइब्रेरी और एक मॉडर्न ऑडिटोरियम शामिल हैं। इसके अलावा, विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के लिए स्मार्ट डिजिटल कक्षाएं, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग, करियर काउंसिलिंग और इनडोर-आउटडोर खेल की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

बचाव की आखिरी उम्मीदें भी धुंधली

यमन में 16 जुलाई को फांसी पर चढ़ेंगी भारतीय नर्स निमिषा प्रिया

रुचि बागड़देव

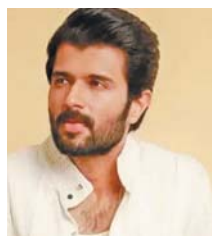

केरल के पलक्कड़ की रहने वाली भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को यमन की अदालत ने 16 जुलाई को फांसी देने का आदेश जारी कर दिया है। निमिषा 2008 में यमन गई थीं और वहां पर कई अस्पतालों में काम करने के बाद 2015 में स्थानीय नागरिक तलाल अब्दो मेहदी के साथ मिलकर क्लीनिक खोला। यमन के कानून के अनुसार, बिजनेस के लिए स्थानीय पार्टनर जरूरी था। लेकिन दोनों के बीच रिश्ते जल्द ही बिगड़ गए। निमिषा का आरोप है कि तलाल ने उनके साथ धोखाधड़ी, आर्थिक और मानसिक शोषण किया, उनका पासपोर्ट जब्त कर लिया और खुद को उनका पति बताने लगा। 2017 में विवाद इतना बढ़ गया कि निमिषा ने तलाल को बेहोश करने के लिए दवा दी, लेकिन ओवरडोज़ के कारण उसकी मौत हो गई। इसके बाद निमिषा को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। यमन की ट्रायल कोर्ट ने उन्हें मौत की सजा सुनाई, जिसे

सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रपति ने भी बरकरार रखा। अब 16 जुलाई को उनकी फांसी तय है और जेल प्रशासन को आधिकारिक आदेश मिल चुका है। निमिषा की मां प्रेमा पिछले एक साल से यमन में डेरा डाले हुए हैं और बेटी को बचाने के लिए हर संभव कोशिश कर रही हैं। भारत सरकार भी इस मामले में लगातार सक्रिय है। विदेश मंत्रालय ने यमन सरकार से कई बार संपर्क किया है और कानूनी सहायता उपलब्ध कराई है। इसके अलावा, सामाजिक कार्यकर्ता और कई भारतीय संगठन भी निमिषा को बचाने के लिए फंड जुटा रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपील कर रहे हैं।

मां ने केस लड़ने के लिए बेचा घर

नीमिषा के लिए न्याय की मांग करने वाले राजनेताओं, व्यापारियों, कार्यकर्ताओं और प्रवासियों के फोरम का हिस्सा रहे वकील सुभाष चंद्रन ने बताया कि कोच्चि में घरेलू सहायिका के तौर पर काम करने वाली प्रिया की मां ने केस लड़ने के लिए अपना घर बेच दिया। जनवरी में केंद्र ने कहा था कि वह मामले पर बारीकी से नजर रख रहा है और परिवार को हर संभव मदद दे रहा है। हालांकि, निमिषा की मां ने चेतावनी दी कि समय बीत रहा है और उसने मदद की गुहार लगाई।निमिषा की मां ने कहा, मैं भारत और केरल सरकारों के साथ-साथ उसे बचाने के लिए गठित समिति का अब तक दिए गए सभी समर्थन के लिए बहुत आभारी हूं। लेकिन, यह मेरी अंतिम अपील है ङ्क कृपया उसकी जान बचाने में हमारी मदद करें। समय बीत रहा है। यमन के कानून में कई तरह के अपराधों के लिए मौत की सजा का प्रावधान है, जिसमें देश की स्वतंत्रता, एकता या क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन करना, सशस्त्र बलों को कमजोर करने के लिए कोई काम करना, हत्या, मादक पदार्थों की तस्करी, समलैंगिक यौन , इस्लाम से मुंह मोड़ना या उसका खंडन करना और वेश्यावृत्ति को बढ़ावा देना शामिल है। यमन के शरिया कानून के तहत 'ब्लड मनी' यानी मुआवजा देकर मृतक के परिवार से समझौता किया जा सकता है, जिससे फांसी की सजा माफ हो सकती है। लेकिन अब तक तलाल के परिवार ने किसी भी तरह के समझौते से इनकार किया है। 'ब्लड मनी' की रकम काफी ज्यादा होती है और इसके लिए फंड जुटाने की कोशिशें भी जारी हैं। अब सबकी निगाहें अंतिम समय की किसी चमत्कारिक राहत या समझौते पर टिकी हैं। भारत सरकार और सामाजिक कार्यकर्ता आखिरी वक्त तक प्रयासरत हैं कि किसी तरह निमिषा की जान बचाई जा सके।

पचौरी ने राजनाथ को दी जन्मदिन की बधाई

भोपाल। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह से नई दिल्ली निवास पर पहुंचे और उन्हें जन्मदिन पर बधाई दी। पचौरी ने कहा, मां पीतांबरा से उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और यशस्वी जीवन कामना करता हूं।

मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता में गुरूवार को मंत्रालय में एसएलबीसी की 194 वी बैठक हुई।

ऑनलाइन सट्टेबाजी, विजय देवरकोंडा व प्रकाश राज समेत 29 अभिनेताओं-यूट्यूबर्स पर केस

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कुछ ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्मों के खिलाफ धन शोधन जांच के तहत बड़ी कार्रवाई की है। तेलंगाना में विजय देवरकोंडा, राणा दग्गुबाती और प्रकाश राज जैसे अभिनेताओं के अलावा कुछ सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर्स व यूट्यूबर्स सहित दो दर्जन से अधिक लोगों भूमिका की पड़ताल के लिए धन शोधन का मामला दर्ज किया गया है। इन दुकानों पर अवैध सट्टेबाजी और जुए के जरिए करोड़ों रुपये की अवैध धनराशि अर्जित करने का आरोप है।

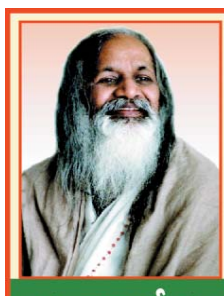

महर्षि महेश योगी संस्थान

द्विदिवसीय श्री गुरुपूर्णिमा महोत्सव

09 एवं 10 जुलाई 2025

-: सादर आमंत्रण :-

०९ जुलाई २०२५ समयः दोपहर ०३:०० से ०५:०० बजे तक

सुप्रसिद्ध भजन गायिकाः सुश्री अत्री कोटल एवं साथी

१० जुलाई २०२५ समयः प्रातः १०:३० से सायं ०५:०० बजे तक

वैदिक गुरु परम्परा एवं श्री गुरुदेव ब्रह्मानन्द सरस्वती जी का पूजन तथा

श्री गुरुदेव व परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी के श्रीचरणों में वेद विद्या मार्तण्ड ब्रह्मचारी गिरीश जी द्वारा संस्थान की वार्षिक उपलब्धियों का अर्पण, भावी योजनाओं की प्रस्तुति और आशीर्वाद प्राप्ति

अन्य माननीय वक्ता

प्रो. भुवनेश शर्मा, पूर्व कुलगुरु
महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय
वैद्य श्री मधुसूदन देशपाण्डे, निदेशक
मल्टीस्पेशलिटी आयुर्वेद हेल्थ अवेयरनेस प्रोग्राम (महा)
श्री व्ही.आर. खरे, निदेशकः संचार एवं जनसम्पर्क, महर्षि संस्थान

स्थानः महर्षि उत्सव भवन, छान, भोजपुर मन्दिर मार्ग, भोपाल

सम्पर्क सूत्रः 9893700746, 9993099731 (प्रवेशाधिकार सुरक्षित)

May please also join on any of the following links at:
Website: www.ramrajtv.in YouTube: https://www.youtube.com/c/Ramrajtv/
Facebook: https://www.facebook.com/1Ramrajtv/

आयोजक
• महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह • महर्षि वेद विज्ञान विश्व विद्यापीठम् • महर्षि विश्व शांति आन्दोलन

भोपाल। गायत्री शक्ति मंदिर में आज गुरु पूर्णिमा पर हवन पूजन किया गया।

भोपाल में आज महापौर मालती राय ने गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर महंत श्री श्री 108 महामंडलेश्वर रामप्रवेश महाराज गुफा मंदिर की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस व अभाविप के 77वें स्थापना दिवस पर कार्यक्रम संपन्न

राष्ट्र निर्माण के प्रति संकल्पित युवाओं की चेतना की प्रतीक ध्येय-यात्रा निकाली

भोपाल। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, भोपाल महानगर द्वारा राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस एवं संगठन के 77वें स्थापना दिवस के पावन अवसर पर भव्य कार्यक्रम अभाविप की ध्येय-यात्रा का आयोजन किया गया। यह आयोजन केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के प्रति संकल्पित युवाओं की चेतना का प्रतीक बना। इस प्रेरणादायी कार्यक्रम में राजधानी भोपाल के विभिन्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य अभाविप की वैचारिक धारा, ऐतिहासिक योगदान और वर्तमान पीढ़ी को सामाजिक-सांस्कृतिक जिम्मेदारियों से जोड़ना था। कार्यक्रम में छात्रों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. कैलाश राव , निदेशक, एसपीए भोपाल; मुख्य वक्ता अभाविप की राष्ट्रीय मंत्री कुमारी शालिनी वमा, महानगर के अध्यक्ष शशिकांत पांडे एवं महानगर सहमंत्री आरती ठाकुर उपस्थित रहे।

डॉ. कैलाश राव ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, हमारी संस्कृति में हर कला विज्ञान है, इसलिए उसे शास्त्र कहा गया है। आज की पुरातत्त्वशास्त्र पर पश्चिम का प्रभाव है, लेकिन भारतीय पुरातत्त्व 'विलोपन द्वारा सृजन' की परंपरा पर आधारित है, यानी जो आवश्यक नहीं है, उसे हटाकर सुंदर और विज्ञान-सम्मत रचना की जाती है। उन्होंने भारत के इतिहास को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत करने के प्रयासों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि विदेशी आक्रमणों ने हमारी सांस्कृतिक चेतना को दबाने और हमें मानसिक रूप से गुलाम बनाने के लिए ऐसी थ्योरी गढ़ीं, जिनसे हमारी

संस्कृति, भाषा और दर्शन को हीन साबित किया जा सके। 'एएसआई' जैसी संस्थाओं का मूल उद्देश्य भारत को समझना नहीं, बल्कि उसे वर्गीकृत कर शोषित करना था।

कैलाश राव ने यह भी कहा कि हमारे वर्तमान का आधार हमारा अतीत है। अगर हम 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र के रूप में देखना चाहते हैं, तो हमें भारतीय परंपरा और जीवन दृष्टिकोण के अनुसार 'विकास' को परिभाषित करना होगा। उन्होंने बताया कि आक्रमण-पूर्व काल में भारत में बड़े-बड़े स्थापत्य, मंदिर और सांस्कृतिक संरचनाएं बनीं, जो यह सिद्ध करती हैं कि उस समय विज्ञान, गणित और तकनीक चरम पर थी। यदि हम 'असली भारत' को जानना

चाहते हैं तो हमें कम से कम 2000 वर्ष पुराने भारत को समझना होगा। हमें खुद को रि-लॉक नहीं, बल्कि रि-अनलॉक करना होगा। अपनी पहचान, परंपरा और विज्ञान के साथ।

शालिनी वर्मा ने कहाअभाविप केवल संगठन नहीं, एक विचारधारा की 77 वर्षीय राष्ट्र-यात्रा है। उन्होंने अपने संबोधन में अभाविप की 77 वर्षों की राष्ट्रवादी यात्रा को युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया। अभाविप केवल एक छात्र संगठन नहीं, बल्कि एक विचारधारा है जो राष्ट्रीयता, सेवा, नेतृत्व और संस्कृति के मूलमंत्र पर कार्य करती है। आज का छात्र जब अभाविप के मंच से लौटे, तो वह कोई न कोई संकल्प लेकर लौटे। उन्होंने युवाओं को पर्यावरण संरक्षण, स्वावलंबन आधारित जीवनशैली, कुटुंब प्रबोधन और परिवार का सम्मान, नागरिक कर्तव्यों का पालन, सामाजिक समरसता और जातिविहीन समाज का निर्माण करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, जन्मदिन केवल मौज-मस्ती का अवसर न हो, बल्कि सामाजिक सेवा और भारतीयता का दिन हो। हस्ताक्षर मातृभाषा में हों, भोजन परिवार के साथ हो यही हमारी परंपरा है। यह आयोजन केवल एक दिवस का उत्सव नहीं, बल्कि 77 वर्षों की प्रेरणास्रोत यात्रा का उत्सव था। इस कार्यक्रम ने यह सिद्ध किया कि जब युवा अपने अतीत को पहचानता है, संस्कृति को समझता है, और राष्ट्र के लिए संकल्पित होता है, तभी वह भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर ले जाने में सक्षम बनता है।

सीएमएचओ ने हाईरिस्क गर्भवती शिविरों सहित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का किया अवलोकन

भोपाल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनीष ने शर्मा बुधवार को आयोजित एक्सटेंडेड प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविरों का अवलोकन किया । इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य संस्थाओं में लगाए जा रहे ईपीएमएसएमए शिविरों की सेवाओं की जानकारी ली गई। डॉ शर्मा ने निर्देश दिए कि हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की लाइन लिस्टिंग तैयार कर उन्हें नजदीकी स्वास्थ्य संस्थाओं में संचालित इन शिविरों से टैग किया जाए । मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की सभी जांचें और फॉलोअप पूरे करवाए जाएं। सीएमएचओ द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तूमड़ा, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र फंदा, आयुष्मान आरोग्य मंदिर खजूरी सड़क के निरीक्षण में असंचारी रोगों की स्क्रीनिंग एवं पोर्टल प्रविष्टि, टी बी मुक्त भारत अभियान के तहत परीक्षण, सैंपल कलेक्शन , जागरूकता गतिविधियों की जानकारी ली गई। वेक्टर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए अस्पताल परिसर की सफाई का निरीक्षण कर अस्पतालों में रखे कूलर, गमलों इत्यादि की जांच की।

सिविल अस्पताल बैरागढ़ के निरीक्षण के दौरान अस्पताल में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। अस्पताल में संचालित पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती बच्चों की माताओं से बच्चों के पोषण में सुधार का फीडबैक लिया गया । डॉ शर्मा ने अस्पताल अधीक्षक को निर्देश दिए कि आगामी दस्तक अभियान के दौरान संभावित कुपोषित बच्चों को भर्ती किए जाने की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं अस्पताल में सुनिश्चित हो । फील्ड भ्रमण में हाईरिस्क गर्भवती शिविरों सहित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का किया अवलोकन।

श्रावण मास में आज रात तीन बजे से खुलेंगे महाकाल मंदिर के पट, इसके बाद होगी भस्म आरती

उज्जैन। ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में शुक्रवार से श्रावण मास की शुरुआत होगी। गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात तीन बजे मंदिर के पट खुलेंगे। पश्चात भगवान की भस्म आरती होगी। देशभर से लाखों श्रद्धालु दर्शन को उमड़ेंगे। मंदिर प्रशासन ने महापर्व को लेकर तैयारी की है। मंदिर परिसर के सभी छोटे-बड़े मंदिरों में रंगरोगन किया गया है। गर्भगृह की रजत मंडित दीवार, चांदी द्वार आदि की साफ- सफाई की जा रही है। आकर्षक विद्युत रोशनी से मंदिर दमक रहा है। महाकाल मंदिर में 11 जुलाई से नौ अगस्त तक एक माह श्रावण का उल्लास छाएगा। रोज करीब एक लाख भक्तों के महाकाल दर्शन करने आने का अनुमान लगाया जा रहा है। महाकाल मंदिर समिति व जिला प्रशासन उसी के अनुसार तैयारी कर रहे हैं।

पंचमुखी हनुमान मंदिर, पश्चिम रेलवे कॉलोनी में गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रीरामायण जी के अखंड पाठ एवं पुरुष सूक्त पाठ हुआ श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर राम भूषण दास महाराज से आशीर्वाद लिया।

ज्ञानदीप चिकित्सा एवं शिक्षा समिति ने चलाया माहवारी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता अभियान

लड़कियों को दी जा रही माहवारी स्वास्थ्य सुरक्षा की जानकारी

भोपाल। ज्ञानदीप चिकित्सा एवं शिक्षा समिति, भोपाल द्वारा माहवारी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता अभियान के अंतर्गत राजधानी भोपाल सहित आसपास के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के विभिन्न स्कूलों में किशोरी बालिकाओं को माहवारी से जुड़ी वैज्ञानिक जानकारी, स्वच्छता के उपाय, एवं स्वास्थ्य सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है। समिति की सक्रिय सदस्य साक्षी गुप्ता, लोकेश मित्तल और रितेश मित्तल ने जानकारी दी कि अब तक 1000 से अधिक स्कूलों में अभियान संचालित किया जा चुका है, जिसमें हजारों छात्राओं को लाभ मिला है। इस अभियान के माध्यम से किशोरियों को यह समझाया जा रहा है कि माहवारी एक सामान्य जैविक प्रक्रिया है, जिससे डरने या शर्माने की आवश्यकता नहीं है। इसके बजाय स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर सतर्क रहना जरूरी

है। कार्यक्रम में छात्राओं को सैनिटरी पैड्स के सही उपयोग, संक्रमण से बचाव, पोषणयुक्त आहार, मानसिक स्वास्थ्य, व समाजिक भ्रांतियों के प्रति सजगता जैसे विषयों पर जानकारी दी जाती है अभियान के अंतर्गत हर स्कूल में निःशुल्क सैनिटरी नैपकिन वितरण, हेल्थ एक्सपर्ट्स से संवाद, और ऑडियो-विजुअल माध्यम से जागरूकता सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। छात्राओं को प्रश्न पूछने और अपनी जिज्ञासाएं खुलकर व्यक्त करने का मंच भी दिया जा रहा है। साक्षी गुप्ता ने बताया कि समिति का उद्देश्य है कि कोई भी बच्ची जानकारी के अभाव में अस्वस्थ न रहे। ये अभियान न केवल एक स्वास्थ्य मिशन है, बल्कि एक सामाजिक जागरूकता आंदोलन भी बनता जा रहा है। अगले चरण में समिति इस अभियान को राज्य स्तर पर और अधिक विस्तार देने की योजना बना रही है।

आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र पर गुरुपूर्णिमा पर्व मनाया गया

गुरुजनों, श्रेष्ठजनों के प्रति अगाध श्रद्धा का यह पर्व भारतीय सनातन संस्कृति का विशिष्ट पर्व है

महेश अग्रवाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र, भोज यूनिवर्सिटी के सामने से मुख्य प्रवेश द्वार से करीब, पानी के कुंड के पास, स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग साधकों एवं गुरुजनों द्वारा गुरु पूर्णिमा पर्व श्रद्धा पूर्वक मनाया गया।

इस अवसर पर प्रमुख रुप से वरिष्ठ कर्नल डी सी गोयल, मधुमेह विशेषज्ञ राष्ट्रीय पुरुस्कार प्राप्त डॉ. नरेन्द्र भार्गव, वरिष्ठ स्वास्थ्य प्रचारक गोविन्द भूतड़ा, ए. पी. सिंह, संजय गुप्ता, सुनील सोलंकी, ज्ञानचंद जैन, अशोक कुरिया, नर्मदा चडोकर, सुनीता जोशी, सुदीपता रॉय, उषा सोनी, शिप्रा जैन, विधि वर्मा, राशि खरे, श्रद्धा गणपते, श्वेता केंदुलकर, भावना शर्मा सहित योग साधक भाई बहन उपस्थित रहें। इस अवसर पर योग गुरु महेश अग्रवाल का सभी साधकों नें सम्मान किया।

योग गुरु महेश अग्रवाल नें बताया कि योगाभ्यास में श्रद्धा की क्या भूमिका है? श्रद्धा शक्ति है। श्रद्धा से हमारे व्यक्तित्व की शोभा बढ़ती हैं। आध्यात्मिक साधक के लिये श्रद्धा ही सम्पत्ति है। कोई व्यक्ति बहुत बड़ा विद्वान् हो और सारा योग शास्त्र उसे भले ही मालूम हो, वह प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास दिन-रात करता हो, वह चर्च या मंदिर जाता हो या उसके बहुत से बड़े-बड़े गुरु हों, लेकिन बिना श्रद्धा के वह अपनी आत्मा का दर्शन कर ही नहीं सकता। श्रद्धा के बिना मनुष्य अंधा है। अविद्या या अज्ञान का नाश श्रद्धा से ही होता है तथा श्रद्धा में शुद्धता, सरलता और सच्चाई होती है। श्रद्धा के सहारे ही योग बीमारियों को ठीक करता है, श्रद्धा से ही क्रियायोग सुषुप्त कुण्डलिनी का भेदन करता है और श्रद्धा द्वारा ही एक शिष्य अपने गुरु से भी महान् बन सकता है। वास्तव में गुरु के प्रति शिष्य का दृष्टिकोण श्रद्धा की ही अभिव्यक्ति है। अगर इस श्रद्धा को तुम अलग कर दो तो गुरु एक साधारण मनुष्य मात्र रह जायेगा और तब तो क्राइस्ट केवल एक जादूगर ही थे तथा संत फ्रांसिस व संत जेवियर केवल घुमक्कड़ व्यक्ति ही कहलायेंगे।

श्रद्धा कोई विचार-प्रक्रिया नहीं है और न ही यह हमारा विश्वास है। हर मनुष्य का सच्चा स्वभाव ही श्रद्धा पूर्ण हैं। मगर समाज में उसे श्रद्धा को से छिपाने के लिये प्रशिक्षण दिया जाता है, ठीक उसी प्रकार जैसे अनेक वस्त्रों के द्वारा लोग अपने शरीर को ढकते हैं। वास्तव में श्रद्धा को विकसित नहीं किया जा सकता, तुम उसमें वृद्धि नहीं कर सकते। हाँ, उसका अनुभव, उसका साक्षात्कार तुम्हें अवश्य करना है। श्रद्धा का साक्षात्कार करने के लिये अपने मंत्र का जप और साधना करो, सत्संग में बराबर जाते रहो और चैतन्य, मीराबाई, दयानन्द और टेरेसा आदि महापुरुषों की जीवनी का स्वाध्याय करो।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया कि गुरु किस प्रकार शिष्य के मन को संभालते हैं? गुरु का यह कर्तृत्व्य है कि वह शिष्य के मन और चेतना का मार्ग-दर्शन ठीक दिशा में करे। आत्म-प्रकाश के जागरण के पूर्व शिष्य के व्यक्तित्व के साथ बहुत-सा कार्य करनों होता है। सबसे बड़ी समस्या तो यह है कि अपने मन में जो कुछ हो रहा है, उससे शिष्य बहुत अधिक प्रभावित रहता है। यदि शिष्य अधिक विकसित नहीं है तब तो वह अपने मन के क्रिया-कलापों के प्रति उतना ख्याल नहीं करता; लेकिन बुद्धिमान और तेज हो तो वह मन के प्रति बहुत सचेत रहता है।

यह सजगता उसे अत्यधिक प्रभावित करती है। इसलिए बहुत से शिष्य मानसिक कल्पना एवं भय की स्थिति में रहते हैं। यह एक पेचीदा और नाजुक मामला है। अगर मन को शान्त करना चाहो तो मानसिक क्षमता ही समाप्त हो जाती है। इसलिए मन के साथ बहुत सावधानी से निपटना होगा। यही है शिष्य के जीवन में गुरु का कार्य। यदि शिष्य का मन पूर्ण रूप से गुरु में लीन होगा, तब तो झंझट नहीं के बराबर है। अतः जब तक मन की चंचलता शान्त न हो जाये, गुरु के साथ सम्बन्ध एक प्रकार से दिशान्तरण ही है।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया कि शिष्य संप्रेषण के लिए अपने को किस प्रकार से तैयार करता है ? यदि किसी शिष्य का पूर्ण विकास न हो सका तो ऐसी स्थिति में गुरु द्वारा उसके मन और भावनाओं का क्रमबद्ध रूप से विकास कराया जाता है। किन्तु जब शिष्य पर्याप्त रूप से विकसित हो तो उसकी कोई आवश्कता नहीं रह जाती है। ऐसे स्तर पर गुरु और शिष्य के बीच एक आन्तरिक संचार व्यवस्था स्थापित हो जाती है और चूँकि शिष्य गुरु के साथ लयबद्ध हो चुका होता है, इसलिए गुरु की ऊर्जा शिष्य की ओर प्रवाहित होने लगती है।

जब तुम किसी बिजली के प्लग को विद्युत-बिन्दु से जोड़ते हो तो विद्युतधारा का प्रवाह तारों के माध्यम से होने लगता है, लेकिन विद्युत-धारा केवल ताँबे और अल्यूमिनियम के तारों में ही प्रवाहित हो सकती है, प्लास्टिक के तारों में नहीं, तुम भले ही प्लग का सम्बन्ध विद्युत बिन्दु से जोड़ दो। उसी प्रकार शिष्य का सुचालक होना आवश्यक है और संप्रेषण के लिए यह पहली शर्त है। संप्रेषण काल में गुरु और शिष्य के बीच में किसी भी प्रकार का अवरोध नहीं होता है। वे दोनों समान धरातल पर कार्य करने लगते हैं। वस्तुतः वे दोनों शारीरिक रूप से अलग होते हैं, किन्तु आध्यात्मिक रूप से दोनों एकात्म हो चुके होते हैं। और ऐसी स्थिति में वैयक्तिकता कार्य नहीं करती है। इसलिए संप्रेषण-काल में शिष्य के लिए दूसरी आवश्यक शर्त पूर्ण समर्पण-भाव का होना है। अगर तुम बाँस का एक टुकड़ा लो, जिसके एक सिरे का छिद्र अवरुद्ध हो और दूसरा खुला हुआ हो तो तुम इसे बाँसुरी की शक्ल अवश्य दे सकते हो, किन्तु उसे बजा नहीं पाओगे। यदि तुम इसे बजाना चाहते हो तो इसके एक सिरे पर स्थित अवरोध को समाप्त करके पूर्ण रूप से खोखला करना होगा। इसी प्रकार शिष्य को भी अपने आपको रिक्त या शून्य करना पड़ता है। यह बहुत ही कठिन कार्य है। जप करना आसान है और एक शिष्य प्रतिदिन हजारों माला का जप कर सकता है। इसके लिए योग का अभ्यास करना भी कठिन नहीं है, किन्तु अपने आप में शून्यता का भाव लाना नितान्त कठिन है। शिष्य के अपने व्यक्तित्व, अहं, मानसिकता एवं पूर्वाग्रह होते हैं। यद्यपि गुरु भी उसमें समाहित होना चाहता है; लेकिन उसे अवरोध का सामना करना पड़ता है। गुरु अंतःकरण में अवश्य है, लेकिन जब तक अवरोध रहेगा; संचार-व्यवस्था स्थापित नहीं हो सकेगी। इसलिए संप्रेषण-काल में इस अंतिम अवरोध को भी हटाना आवश्यक है।

शिष्य का भाव इस प्रकार होना चाहिये- %मैं कुछ नहीं हूँ, मैं केवल माध्यम हूँ।% उसे प्रति दिन अपने आप में इस भाव को समाहित करते रहना चाहिए। इसे ही भक्तियोग या पूर्ण समर्पण कहा जाता है। जब तुम योग और आध्यात्मिक जीवन का अभ्यास करते हो तो यह एक अहंवादी एवं आत्मवादी क्रिया होती है। यह भले ही सकारात्मक हो, किन्तु जहाँ तक संप्रेषण-क्रिया में समर्पण का संबंध है, उसमें इसे सिर्फ अहंकारवाद ही कहा जा सकता है।

अतः प्रत्येक युग में गुरु एवं शिष्य के बीच में दो पद्धतियाँ विद्यमान रही हैं। एक पद्धति तो गुरु द्वारा शिष्य की शिक्षा देने की रही है और दूसरी पद्धति को संप्रेषण के नाम से जाना जाता है। शिक्षा प्राप्त करने के क्रम में तुम हमेशा गुरु से आध्यात्मिक वार्तालाप करते हो, किन्तु संप्रेषण- क्रिया में तुम्हें कुछ नहीं करना पड़ता है। इसमें आध्यात्मिक वार्तालाप कतई आवश्यक नहीं है। तुम्हारी आँखें खुली हों या बंद, गुरु तुम्हारे अंतःकरण में हमेशा विद्यमान रहता हैं, क्योंकि यह तो दो प्रेमियों के बीच सम्बन्ध की स्थिति है न !

कमला नेहरू सांदीपनि कन्या स्कूल में गुरु पूर्णिमा महोत्सव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनाएंगे नई टीम, प्रदेश के समर्पित कार्यकर्ताओं को मिलेगा मौका

भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा में संगठनात्मक फेरबदल की प्रक्रिया तेज हो गई है। हाल ही में प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किए गए हेमंत खंडेलवाल को पार्टी नेतृत्व ने अपनी नई कार्यकारिणी गठित करने की पूरी अनुमति दे दी है। वे प्रदेशभर से अनुभवी और समर्पित

कार्यकर्ताओं को शामिल कर एक नई टीम तैयार करेंगे। जानकारी के अनुसार पार्टी की नीति एक व्यक्ति, एक पद के तहत वर्तमान कार्यकारिणी में शामिल सांसदों, मंत्रियों और विधायकों को संगठनात्मक दायित्वों से मुक्त किया जाएगा। इस समय पार्टी की प्रदेश इकाई में सात सांसद, एक कैबिनेट मंत्री और छह विधायक विभिन्न पदों पर कार्यरत हैं।

दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व से हुई चर्चा

प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल हाल ही में दिल्ली में पार्टी के शीर्ष नेताओं से मुलाकात कर चुके हैं। इसमें उन्हें नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर पूरी सहमति मिल गई है। अब माना जा रहा है कि एक महीने के भीतर भाजपा प्रदेश संगठन की नई टीम की घोषणा कर दी जाएगी, जिसमें अनुभवी और युवा कार्यकर्ताओं का संतुलन होगा।

नए चेहरों को मिलेगा मौका

पार्टी की रणनीति है कि संगठन के कार्यों को पूर्णकालिक रूप से निभाने वाले ऐसे कार्यकर्ताओं को आगे लाया जाए, जिनकी जमीनी पकड़ मजबूत है और जो संगठनात्मक कामकाज में सक्रिय हैं। इसी के तहत अब नए और कम चर्चित लेकिन प्रभावी चेहरों को प्रदेश टीम में स्थान मिल सकता है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि नई कार्यकारिणी में युवाओं, महिलाओं और सामाजिक दृष्टि से विविध प्रतिनिधित्व पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

मोर्चा संगठनों में भी होंगे बदलाव

भाजपा के सात मोर्चा संगठनों में से तीन की कमान वर्तमान में सांसदों के पास है और एक मोर्चा कैबिनेट मंत्री के जिम्मे है। सांसद बनने के बाद इन नेताओं की व्यस्तता बढ़ गई है, जिससे मोर्चों के कामकाज पर असर पड़ा है। महिला मोर्चा की अध्यक्ष माया नारोलिया राज्यसभा सांसद बनने के बाद से सीमित सक्रियता में हैं। किसान मोर्चा के दर्शन चौधरी सांसद बन चुके हैं और ओबीसी मोर्चा के प्रमुख अब प्रदेश सरकार में मंत्री हैं। खुद मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने मोर्चे की जिम्मेदारी से मुक्त करने का अनुरोध पार्टी से कर दिया है।

मप्र सरकार के एक नवाचार को दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने भी अपना लिया: सीएम यादव

लाड़ली बहनों को 12 जुलाई को मिलेगी राशि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लाडली बहनों के खाते में 12 जुलाई को राशि अंतरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगले माह आने वाले रक्षाबंधन के अवसर पर लाडली बहना योजना के तहत वर्तमान में दी जा रही मासिक आर्थिक सहायता राशि के अतिरिक्त 250 रुपए की विशेष सहायता राशि भी अंतरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की करीब 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मंत्रीगण को संबोधित किया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार के एक नवाचार को दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने भी अपना लिया है। मध्यप्रदेश की तरह जेएनयू दिल्ली में भी कुलपति अब कुलगुरु के नाम से जाने जाएंगे। जेएनयू ने मध्यप्रदेश से प्रेरणा लेकर यह कदम उठाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरु पूर्णिमा 10 जुलाई को है। इस दिन प्रदेश के सभी विद्यालयों एवं महाविद्यालय में दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा उत्सव कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों

में जिले के प्रभारी मंत्री भी प्रमुखता से शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रबुद्ध नागरिक, गुरुजन एवं साधु संतों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भोपाल शहर में (कमला नेहरू स्कूल) सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण किया जायेगा।

बीआरटीएस हटाने से सकारात्मक परिणाम आए- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बीआरटीएस हटाने से बड़े ही सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। मुख्यमंत्री ने एक रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि बीआरटीएस हटाने से हादसों में 51 प्रतिशत और हादसों की वजह से मृत्यु में 70 प्रतिशत तक की कमी आई है। यह मध्यप्रदेश सरकार के जनहित में लिए गए निर्णयों के सुचारू क्रियान्वयन का सुखद परिणाम है। उन्होंने बताया कि सरकार ने जनवरी 2024 में बीआरटीएस हटाने का निर्णय लिया था।

निषादराज सम्मेलन होंगे 12 को- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में मत्स्य पालन के क्षेत्र में कार्यरत सभी व्यक्तियों के समग्र कल्याण एवं सम्मान के लिए निषादराज सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि निषादराज जयंती 10 जुलाई को है, परंतु प्रदेश में समन्वित रूप से 12 जुलाई को निषादराज सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इस सम्मेलन में मत्स्य पालन क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों की पारिश्रमिक दरों में वृद्धि, बोनस वितरण, उनके विश्राम के लिए जलाशयों के किनारे प्लेटफॉर्म्स की स्थापना के संबंध में प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि भोपाल में करीब 5 करोड़ की लागत से आधुनिक केवट प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना के लिए भी ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

लुधियाना के उद्योगपति भी जुड़ना चाहते हैं मध्यप्रदेश से

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गत 7 जुलाई को पंजाब के लुधियाना में उद्योगपतियों के साथ हुए संवाद के अनुभव साझा करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों पर वहां बड़े उद्योगपतियों से चर्चा हुई। इन्टरैक्टिव सेशन में उद्योग जगत के 400 से अधिक प्रतिनिधियों ने बड़ी आत्मीयता और सक्रियता से भाग लिया। उन्होंने बताया कि लुधियाना सत्र में सरकार को 15606 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इस निवेश के धरातल पर आने से मध्यप्रदेश में लगभग 20275 से अधिक नये रोजगार सृजित होने की संभावना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि पंजाब के सभी उद्योगपति मध्यप्रदेश से आत्मीयता से जुड़ना चाहते हैं।

13 से 19 जुलाई के दौरान होगी दुबई और स्पेन यात्रा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश का एक प्रतिनिधिमंडल 13 से 19 जुलाई के दौरान दुबई और स्पेन की यात्रा पर रहेगा। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल व्यावसायिक बैठकों और विभिन्न कंपनियों के साथ वन-टू-वन मीटिंग भी करेगा। उन्होंने बताया कि इस भ्रमण का उद्देश्य प्रमुख क्षेत्रों में निवेश प्राप्त करना, प्रौद्योगिकी के पारस्परिक हस्तांतरण और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक अपनी पहुंच बनाना, रोजगार के नए अवसर सृजित करने एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में और अधिक इजाफा करना है। उन्होंने कहा कि म.प्र. में वैश्विक निवेश की संभावनाएं तलाशने की दिशा में यह प्रवास एक बड़ा कदम साबित होगा।

समय पर हो जाति प्रमाण-पत्र प्रदाय की समुचित व्यवस्था

मंत्रि-परिषद की बैठक के पहले नगरीय प्रशासन एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का उनकी सहदयता के लिए पौधा भेंटकर स्वागत-सम्मान किया। उन्होंने बताया कि जाति प्रमाण-पत्र में आंशिक त्रुटि होने के कारण गत दिवस एमपीपीएससी से चयनित दो अभ्यार्थियों की जॉइनिंग में परेशानी आ रही थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की ओर से संबंधित जिला कलेक्टर को निर्देशित किये जाने पर उन दोनों अभ्यर्थियों को समय पर जाति प्रमाण-पत्र मिल गया और अब उन्होंने अपने नए पद पर ज्वाइन कर लिया है। इस प्रसंग का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी मंत्रीगण और वरिष्ठ अधिकारियों से कहा कि वे सभी जरूरतमंदों को जाति प्रमाण-पत्र की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए समुचित व्यवस्था करें। सिर्फ जाति प्रमाण-पत्र के अभाव या इसमें आंशिक त्रुटि के कारण किसी को भी परेशान न होना पड़े।

शिकायत मिली तो खुद खेत पहुंचे केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज, बोले-

किसानों से धोखा बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली। शिकायत मिली तो खुद खेत पहुंचे केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज, बोले- किसानों से धोखा बर्दाश्त नहीं होगा ङ्क केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान बीते रविवार को मध्यप्रदेश के गंजबासौदा दौरे पर पहुंचे। जहां उन्होंने सोयाबीन की बुवाई करने वाले किसानों से मुलाकात की। किसानों ने बताया कि उन्होंने सोयाबीन की बुवाई की थी, लेकिन बीज अंकुरित ही नहीं हुआ। इससे पूरी बोवनी बेकार हो गई और मेहनत के साथ-साथ लागत भी बर्बाद हो गई। इस पर शिवराज सिंह खुद खेत में गए, मिट्टी खोदी और बीज निकालकर देखे। मंत्री ने कहा कि यह किसानों के साथ यह बड़ा धोखा है। उन्होंने जांच के आदेश देते हुए कहा, ÷यह बीज कहां से आया, किसने बेचा, इसकी पूरी जांच होगी। जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।÷ साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिन किसानों को नुकसान हुआ है, उन्हें राहत और मुआवज़ा दिलाया जाएगा। इस दौरान उन्होंने कहा कि, किसानों के साथ धोखा अब बर्दाश्त नहीं होगा, जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई और किसानों को पूरा न्याय मिलेगा।

नकली बीज-खाद रोकने को कानून कड़े होंगे

गंजबासौदा में निरीक्षण के बाद सोमवार को फिक्की के 11वें मक्का समिट 2025 में भी केंद्रीय मंत्री ने सोयाबीन बीज की इसी समस्या का ज़िक्र करते हुए कहा था कि मध्यप्रदेश में अमानक बीज की गंभीर स्थिति देखी गई है और इसकी जांच के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अमानक बीज, खाद और उर्वरक की बिक्री को लेकर सरकार जल्द ही कड़े कानूनी प्रावधान लाएगी, ताकि भविष्य में किसानों को इस तरह की ठगी का शिकार न होना पड़े।

प्रदेश विधानसभा में मानसून सत्र में ई-विधान नहीं होगा लागू

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के आगामी मानसून सत्र में ई-विधान प्रणाली लागू नहीं हो पाएगी। विधानसभा सचिवालय ने इस सत्र में कार्यवाही को पेपरलेस करने के लिए ई-विधान योजना को लागू करने की तैयारी की थी, लेकिन एनआईसी (एनआईसी) द्वारा टैबलेट की खरीद न हो पाने के कारण इसे शीतकालीन सत्र के लिए टाल दिया गया है। विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह ने बताया कि मानसून सत्र में विधायकों को ऑनलाइन कार्य प्रणाली का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगले सत्र से नई प्रणाली लागू हो जाएगी, इसलिए विधायकों को इसके उपयोग की जानकारी होनी चाहिए।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के लिए विशेषज्ञों की सहायता ली जाएगी ताकि विधायकों को किसी तरह की परेशानी न हो।

250 टैबलेट खरीदने थे एनआईसी को- एनआईसी को विधानसभा के लिए 250 टैबलेट खरीदने थे, लेकिन टैबलेट की तकनीकी विशिष्टताओं और अन्य प्रक्रियाओं में देरी होने के कारण यह संभव नहीं हो पाया है। ई-विधान लागू होने के बाद सदन की प्रश्नोत्तर प्रक्रिया, दस्तावेज और अन्य विधायी सामग्री टैबलेट पर उपलब्ध होगी। विधायकों को इन्हीं टैबलेट के माध्यम से कार्य करना होगा।

स्पीकर, मुख्यमंत्री और विधायकों के सामने रहेंगे टैबलेट

ई-विधान लागू होने के बाद विधानसभा में स्पीकर, मुख्यमंत्री और विधायकों की सीटों के सामने टैबलेट लगाए जाएंगे, जिनके माध्यम से वे सदन से संबंधित दस्तावेज देख सकेंगे। केंद्रीय सरकार की इस योजना को लागू करने के लिए विधानसभा ने सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं, लेकिन अभी तक नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) द्वारा टैबलेट की खरीद नहीं हो सकी है।

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी (भोपाल) ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश की घोषणा की

भोपाल। भारत की पहली स्किल्स यूनिवर्सिटी स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी (स्वस्) में सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश प्रारंभ हैं। स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी का उद्देश्य , जिसका उद्देश्य युवाओं को ऐसे व्यवहारिक और इंडस्ट्री ओरियंटेड स्किल्स से लैस करना है, जो वर्तमान और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप हों। विश्वविद्यालय के सभी पाठ्यक्रम एनएसक्यूएफ, एनईपी और एनसीआरएफ मानकों के अनुरूप तैयार किए गए हैं, ताकि विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव भी मिल सके।

विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी स्किल्स, इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज, इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट, बैंकिंग-फाइनेंस एंड कॉमर्स, एजूकेशन एवं ट्रेनिंग, फैशन टेक्नोलॉजी, इंटीरियर डिजाइन, मेडिकल एवं एलाइड साइंसेज, एग्रीकल्चर, मास कम्यूनिकेशन,

ह्यूमैनिटीज एंड लिबरल आर्ट्स तथा सस्टेनेबल डेवलपमेंट जैसे क्षेत्रों में स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा और सर्टिफिकेशन कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। एक कौशल विश्वविद्यालय के रूप में एसजीएसयू का उद्देश्य छात्रों के बीच उद्यमशीलता की भावना विकसित करना है, ताकि वे सिर्फ रोजगार तलाशने वाले न रहें, बल्कि स्वयं रोजगार सृजनकर्ता भी बन सकें। एसजीएसयू में 100 से अधिक यूजीसी अफ्रूव्ड स्किल्स प्रोग्राम्स उपलब्ध हैं, जिन्हें 28 से अधिक प्रमुख औद्योगिक संस्थाओं के सहयोग से विकसित किया गया है। इनमें आईबीएम के साथ बीटेक - सीएसई (एआई-एमएल); गूगल के साथ बीटेक-सीएसई,एम.एससी, बीसीए (क्लाउड कंप्यूटिंग);ह्यूंडई एवं हीरो के साथ डिप्लोमा एमई ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी; गीक्स ऑफ गुरुकुल के साथ बीटेक- सीएसई (एआई एंड डीएस), बीसीए (एआई-एमएल); नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) के साथ बीबीए (हॉस्पिटेलिटी एंड रेस्टोरेंट मैनेजमेंट); एनआईईएम ङ्क द इंस्टीट्यूट ऑफ इवेंट मैनेजमेंट के साथ बीबीए इन इवेंट मैनेजमेंट; टैली के साथ बीकॉम (फाइनेंशियल अकाउंटिंग); एमईपीएससी के साथ बीकॉम (एचआर ऑपरेशंस) और एनएसडीसी के साथ ग्लोबल सर्टिफिकेशंस इत्यादि शामिल हैं।

संपादकीय

ब्रिक्स ने अमेरिका की नीतियों की मुखालफत की

अमेरिका की ओर से विभिन्न देशों पर शुल्क लगाने के फैसले का शुरू से ही विरोध होता रहा है। अब ब्राजील में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के घोषणापत्र में भी इसकी कड़ी आलोचना के बाद अमेरिका की भौहें तन गईं और उसने इसे ब्रिक्स की अमेरिका विरोधी नीति करार दिया। साथ ही चेतावनी दी कि जो देश अमेरिका के खिलाफ इस तरह की नीतियों का समर्थन करेगा, उसे दस फीसदी अतिरिक्त शुल्क का सामना करना पड़ेगा। इससे यह सवाल और गहरा हो जाता है कि क्या अमेरिका वास्तव में ब्रिक्स देशों से खुद को असहज महसूस करता है! क्या आने वाले दिन में अमेरिका और ब्रिक्स देशों के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो सकती है? हालांकि, रूस, चीन और दक्षिण अफ्रीका ने साफ किया है कि ब्रिक्स किसी टकराव के लिए नहीं है और न ही इसका मकसद किसी देश की मुखालफत करना है, बल्कि यह उभरते बाजारों और विकासशील देशों के बीच सहयोग के लिए एक महत्त्वपूर्ण मंच है। दरअसल, अमेरिका ने इस साल अप्रैल में चीन और भारत समेत विभिन्न देशों पर शुल्क का एलान किया था। हालांकि बाद में इसे यह कहकर नब्बे दिन के लिए टाल दिया गया कि कुछ देश इस मामले में परस्पर सहमति पर विचार करने के इच्छुक हैं। शुल्क निलंबन की इस अवधि को अब कुछ दिन और बढ़ा दिया गया है। जिन देशों पर यह शुल्क प्रस्तावित है, वे शुरू से इसका विरोध कर रहे हैं। चीन ने तो अमेरिका पर जवाबी शुल्क लगाने का भी एलान कर दिया था। इसी कड़ी में अब ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में अमेरिकी शुल्क का विरोध किया गया। लेकिन इस समूह का पिछले वर्ष विस्तार हुआ और इसमें इंडोनेशिया, ईरान, मिस्र, इथियोपिया व संयुक्त अरब अमीरात को शामिल किया गया। नए सदस्य देशों के अलावा, इस समूह में दस रणनीतिक साझेदार देश भी शामिल हैं। असल में ब्रिक्स देशों की वैश्विक जीडीपी में हिस्सेदारी 28-30 फीसदी है। विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के इस समूह को पश्चिमी देशों के लिए संभावित चुनौती के रूप में देखा जाने लगा है। ब्रिक्स डालर पर निर्भरता कम करने के लिए अपनी एक स्वतंत्र एवं साझा मुद्रा प्रणाली की योजना पर विचार कर रहा है। ब्रिक्स को लेकर अमेरिका के पूर्वाग्रह का यह भी एक बड़ा कारण हो सकता है। अमेरिका का मानना है कि अगर ब्रिक्स देश भविष्य में किसी साझा मुद्रा में आपसी लेनदेन करने लगे तो इससे डालर का वर्चस्व खतरे में पड़ सकता है। जाहिर है, अमेरिका ऐसी किसी भी कोशिश को नाकाम करने के लिए हर तरह की रणनीति अपनाएगा, जिससे उसके वैश्विक हित और वर्चस्व को चुनौती की संभावना होगी। बहरहाल, ब्रिक्स देशों की इस राय के अपने आधार हैं कि अमेरिकी शुल्क विश्व व्यापार संगठन के नियमों के अनुरूप नहीं है।

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर

सत्य को प्रमाण की नहीं, प्रणाम की आवश्यकता है- बाबाश्री

प्रहलाद सिंह पटेल
पंचायत व ग्रामीण विकास मंत्री, मध्य प्रदेश शासन

गुरू पूर्णिमा पर श्री श्रीबाबाश्री की वाणियाँ ही हमारा मार्गदर्शन करती हैं क्योंकि वाणियाँ सत्य है और सत्य स्वयं नहीं बदलता, वह जिसे पकड़ लेता है वह बदल जाता है ।इसलिए पथिकों और जिज्ञासुओं से परम पूज्य श्री श्रीबाबाश्री जी कहते थे ध्यान रखो, मनन करो तुमने सत्य को पकड़ा? ! या सत्य ने तुम्हें पकड़ा? आगे चेतावनी देते हुए कहा यदि तुमने सत्य को पकड़ा है तो वह छूट सकता है पर यदि सत्य ने तुम्हें पकड़ा है तो फिर सत्य से दूर नहीं हो सकते ।

सत्य के बग़ैर कोई धर्म, धर्म नहीं हो सकता।वैसे ही सत्य के बिना पुरूष पारस नहीं बन सकता, स्त्री का सतीत्व सत्य पर अवलंबित है। 1700 से ज़्यादा दिनों से माँ नर्मदा जल पर साधनारत परम पूज्य दादा गुरू जी के सत्संग में उनकी वाणी है- गुरू जब सत्य के रूप में है तो जीव जगत का आधार है और जब वह तत्व के रूप में है तो वह हमारा अस्तित्व है। काल की गणना नहीं जो काल से मंत्रणा सिखाये वह गुरू है। सत्य गुरूवै नमः जो हमें परिवार, समाज और स्वयं काल से मंत्रणा सिखाये, महामृत्युंज से मिलाये वह गुरू कहलाये। हर काल में जीना सिखाये वह गुरू है। अपने जीवन को निर्विकार सत्य पथ पर चलने के लिए संकल्पित हों तो वह सबसे अच्छा और इसके लिए, अपने मै को, गुरू चरणों में अर्पित कर दो। यदि ऐसा न कर सको तो, जो गुरू सत्ता सत्य की प्रस्तुति कर रही है और परमसत्ता की अभिव्यक्ति दे रही है उस गुरू सत्ता के लिए सब अर्पित, तेरा तुझको अर्पण।

सत्य हमें स्वीकार कर ले इसके लिए हमें ही पात्रता सिद्ध करनी होगी, पात्रता का यह मार्ग और उस पर चलने की परीक्षा के लिए लिए भौतिक सामर्थ्य से अधिक जरूरी है अंतर्मन की शुद्धि और सत्य के साथ खड़े होने का साहस और संकल्प। तो सत्य हमारा हाथ थाम लेगा, यह पात्रता शिष्य को ही साबित करनी होती है। महान ग्रन्थ और संहिता सौन्दर्य लहरी में आद्य शंकराचार्य जी गुरू शिष्य के संबंध को अनुग्रह का संबंध कहते हैं, उस अनुग्रह में गुरू का अनुग्रह नहीं है सिर्फ़ शिष्य का अनुग्रह ही पूर्ण होने का उल्लेख है। यदि शिष्य का अनुग्रह पूर्ण न हो तो वह गुरू बदल सकता है। इसी प्रकार परम पूज्य श्री श्रीबाबाश्री जी कहते हैं ÷निर्विकार पथ÷ पंथ नहीं है यह पथ है। इससे अच्छा पथ मिले तो चले जाना जागो और जगाओ, निर्विकार हो शांति पाओ पूज्य श्री श्री की वाणी है- सत्य अभिनय नहीं करता, सत्य निर्णय करता है ।

मैंने निर्विकार पथ के पथिक के रूप में जितना भी चैतन्यतापूर्ण जीवन जिया और जो सत्संग से मिला उसे ही शब्दों के रूप में लौटाने और प्रस्तुत करने की कोशिश है । श्री श्री बाबा श्री की वाणी है-सत्य प्रस्तुति के लिए है स्तुति के लिए नहीं। जब पथ पर चलते चलते मैं दुविधाग्रस्त हो रहा था तब सलाखों के बीच से कान पकड़कर, चपत लगाकर, ठहाके लगाते मुझे कहा सत्य को प्रमाण की नहीं, प्रणाम की आवश्यकता है। हम गुरू चरणों में पूर्ण समर्पण नहीं कर पाते, कुछ हद तक अभिनय ज़्यादा होता है, कुछ लालच, लाभ और स्वार्थ होते हैं जो हमारे विश्वास को जगह नहीं मिलने देता तभी श्री श्री की वाणी स्मरण आती है विश्वास होता नहीं है किया जाता है। आज गुरू पूर्णिमा पर विश्वास के साथ समर्पण का संकल्प पूरा करें। पथिक डॉ एडीएन वाजपेयी के दोहे के साथ गुरू पूर्णिमा की शुभकामनाएँ ।

बादल गुरू घन ज्ञान का लिए झूमता जाये ।
है सुपात्रता शिष्य की, खींचे, पिये, अघाये।।

वे धृतराष्ट्र न होते तो

??श्रीकांत आप्टे

वे धृतराष्ट्र न होते तो क्या होते ?

सवाल थोड़ा अटपटा है क्योंकि वे हस्तिनापुर के राजा थे और राजा तो धृतराष्ट्र ही होते हैं। राजा होने के लिए धृतराष्ट्र होना जरूरी क्वालीफिकेशन है।जो पहले नहीं होते वे भी राजा बनने के बाद धृतराष्ट्र हो जाते हैं।

यूं देखा जाए तो सवाल अटपटा होने के अलावा फालतू भी है। वे धृतराष्ट्र होते या न होते इससे आज क्या फर्क पड़ जायेगा ? जो द्वापर युग में था उसके बारे में कलियुग में सवाल फालतू ही कहा जाएगा। इसीलिए उचित तो यही होगा कि फालतू सवालों की तलाश में भटकते विचारकों के सामने इसे पटक दिया जाए। यूं भी आजकल देश में फालतू विचारकों की भरमार है। वर्तमान को भाड़ में भेजकर प्राचीन भारत की महान विरासत पर फालतू विचारने वालों की भारी भीड़ है।कल दिन भर मैं भी फालतू बैठा था। इसलिए मैंने भी इस फालतू सवाल पर थोड़ा सा फालतु चिंतन किया है जो आपकी इजाजत से आपके सामने पेश कर रहा हूं।

धृतराष्ट्र यदि धृतराष्ट्र न होते तो मैं शर्तिया कह सकता हूं कि कौरवों की संख्या सौ न होकर दस-पंद्रह पर रुक जाती। धृतराष्ट्र देख पाते की सौ यानी कितनी बड़ी भीड़ होती है। महल बड़ा होने का मतलब यह तो नहीं कि सारे महल को भीड़ से भर दिया जाए। धृतराष्ट्र और पांडू (पांडू हवलदार नहीं) का लालन-पालन उनके काकाश्री भीष्म ने किया था। भीष्म को दोनों भतीजों खासकर धृतराष्ट्र की रग-रग पता थी। वे धृतराष्ट्र की रंगीनमिजाजी जानते थे।भीष्म जानते थे कि यह भतीजा सेंचुरी ठोके बिना रुकेगा नहीं। गांधारी के पतिव्रत धर्म पालन से भीष्म, गांधारी का बहुत सम्मान करते थे। वे जानते थे कि भतीजे धृतराष्ट्र के कारण गांधारी सौरगृह से बाहर आयेगी ही फौरन दुबारा सौरगृह में जाने के लिए।

एक तो वो धृतराष्ट्र। गांधारी आंखों पर पट्टी बांधे हुए। धृतराष्ट्र स्त्री स्वतंत्रता खासकर स्त्रियों की दैहिक स्वतंत्रता के प्रबल समर्थक। महल में खाली कमरों और दासियों की कमी नहीं। एक दासी से युयुत्सू नामक एक बालक धरती पर प्रगट कर ही दिया। ऊपर से द्वापर में बिजली न होने से रातें लंबी और परिवार नियोजन के साधन अनुपलब्ध। यानी सेंचुरी ठोकेगा, लंगोट का ढ़ीला है जैसे भीष्म के भय को सत्य बनाने वाली सभी रेडीमेड परिस्थितियां।

पीआईएल पढ़कर वेदव्यास भड़ककर भीष्म से बोले कि तुम मेरी अदालत को क्या समझते हो ? मेरी अदालत पति-पत्नी के बीच का मामला सलटाने के लिए है क्या ? कोर्ट पीआईएल को खारिज करता है और चेतावनी देता है कि दुबारा ऐसी बकवास पीआईएल लगाई तो कोर्ट भारी जुर्माना ठोंकेगा।

भीष्म की पोजिशन समस्त कुरुवंश और हस्तिनापुर राज्य के अभिभावक की। कोर्ट को चलाने वाले को भी राजा और राजवंश की शक्तियों का ध्यान रखना ही पडता है। वेदव्यास थोड़े नरम पडे और भीष्म को समझाते हुए बोले कि तुम तो स्वयं विद्वान हो। जानते हो कि नियति को कोई नहीं बदल सकता। धृतराष्ट्र को सौ पुत्रों और एक पुत्री का पिता होने से कोई नहीं रोक सकता। भीष्म निरुपाय लौट गये। कौरवों के जन्म की कहानी के विस्तार में जाने की जरूरत नहीं।बस इतना जान लीजिए कि भीष्म का भय सही साबित हुआ।

धृतराष्ट्र के यहां एक ही दिन और एक ही समय एक सौ पुत्रों और एक पुत्री का जन्म हुआ। धृतराष्ट्र सेंचुरी ठोकेगा के बारे में भीष्म ने ठीक ही कहा था। धृतराष्ट्र ने एक दासी से एक पुत्र युयुत्सू पैदा कर ही दिया था। यानी कुल जमा सौ, ऊपर दो।

द्रोणाचार्य दरबारी गुरू और कुलपति थे। उनका आश्रम, दरबार से मिलने वाली ग्रांट से चलता था।

एक बाप, सौ औलादें, सबकी डेट ऑफ बर्थ एक। क्लिअर कट दिखने वाला फ्रॉड। सौ कौरवों के अलावा पांच बच्चे दूसरे दिवंगत भतीजे पांडु के। इनकी वल्दियत के अलग लफड़े। सबके बर्थ सर्टिफिकेट में बाप वाले कॉलम में पांडु लिखा हुआ। लेकिन सब जानते कि युधिष्ठिर के बाप यम, भीम के बाप पवन,अर्जुन के बाप इंद्र और नकुल, सहदेव के बाप अश्विनीकुमार थे।द्रोणाचार्य के के लिए भी सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाना चाहिए था। लेकिन धृतराष्ट्र ठहरे राजा।सहानुभूति से विचार करे वह राजा कैसा ?द्रोणाचार्य एक काबिल गुरू थे।

धृतराष्ट्र के केवल पांच कौरव होते और उनसे युद्ध करने वाले पांच पांडव तो महाभारत युद्ध अठारह दिन नहीं चलता। दो-तीन में ही समाप्त हो जाता। वेदव्यास को भी इतनी मोटी पोथी नहीं लिखना पडती। गीता प्रेस गोरखपुर वाले भी पतली महाभारत छापकर घटी दरों पर बेच लेते।

हो सकता है महाभारत का युद्ध ही नहीं होता। हस्तिनापुर की प्रापर्टी सौ की बजाय पांच में ही बंटने वाली है सोचकर दुर्योधन पांडवों को उन्होंने मांगे पांच गांव देकर छुट्टी पा लेता और रानियों के साथ अठारह दिन हॉलिडे मनाने हिल स्टेशन को निकल लेता।

भगवान कृष्ण भी घंटों तक गीता का उपदेश देने से बच जाते। जनता भी कर्म करो, फल की आशा मत व्यक्त करो टाइप इंप्रेक्टिकल और बोरिंग बातों से बच जाती यदि धृतराष्ट्र, धृतराष्ट्र न होते।

आरोप लगाते लेकिन वोटर लिस्ट शुद्धिकरण से कतराते

सरयूसुत मिश्रा

राजनीतिक आरोपों की असरहीनता लगातार बढ़ती जा रही है. चुनाव दर चुनाव इतने असत्य और असंगत आरोप लगाए गए कि कई बार सही आरोप भी उसी में गुम हो जाते हैं. बिहार में चुनाव के पहले मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण में भी ऐसे ही आरोप लगाए जा रहे हैं. चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए जाते हैं.. !!

संवैधानिक संस्थाएं किसी भी दल के लिए काम नहीं करती हैं. जो ढंग और ढर्रा इन संस्थाओं का कांग्रेस की सरकारों की समय था, उसमें वर्तमान में कुछ सुधार ही दिखाई पड़ता है. चाहे इनमें नियुक्तियों के नजरिए से देखा जाए या उनकी फंक्शनिंग. विभिन्न राज्यों में विपक्षी दल भी चुनाव जीतते हैं, फिर भी जहां हारते हैं, उसके लिए चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा करते हैं.

बिहार में जो मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण हो रहा है, वह कोई नई प्रक्रिया नहीं है इसके पहले भी कई बार विशेष पुनरीक्षण हो चुका है. यह बात जरूर है, कि विशेष पुनरीक्षण के लिए थोड़ा अधिक समय की जरूरत होती है, लेकिन चुनाव आयोग ने सीमित समय में इसको पूरा करने का बीड़ा उठाया है. आधार कार्ड को पहचान पत्र के रूप में मान्य नहीं किया गया.

पहचान के लिए जिन 11 दस्तावेजों को मान्य किया गया है, उनमें काफी समस्या का समाधान हो जाएगा. यह चुनाव आयोग का दायित्व है, कि कोई भी पात्र मतदाता मताधिकार से वंचित न हो सके. इसके साथ ही मतदाता सूची में एक भी घुसपैठी या फर्जी मतदाता शामिल ना हो सके.

मतदाता सूची में अशुद्धि पूरी चुनाव प्रक्रिया को अशुद्ध बना देती है. इस प्रक्रिया का यह कहकर विरोध किया जा रहा है, कि इसकी शुरुआत बिहार से ही क्यों की जा रही है. इसके लिए विपक्षी दल विशेष कर कांग्रेस और राहुल गांधी जिम्मेदार कहे जा सकते हैं.

महाराष्ट्र में चुनाव में अपनी हार के लिए राहुल गांधी ने मतदाता सूची में फर्जी मतदाता बढ़ाने का आरोप इलेक्शन कमीशन पर लगाया. इसके लिए अखबार में लेख लिखे गए. बिना हस्ताक्षर का पत्र भी लिखा गया. जब इलेक्शन कमीशन नें आरोपों की पुष्टि और प्रमाण के लिए उन्हें आयोग में बुलाया, तो फिर नहीं गए. कोई आरोप लगाए और फिर प्रमाण देने के लिए नहीं जाए, तो यह तो अपराध की श्रेणी में आता है. राहुल गांधी की यह प्रवृत्ति लगातार बढ़ रही है,

जब इलेक्शन कमीशन ने बार-बार यह स्पष्ट किया कि महाराष्ट्र की मतदाता सूची में कोई गड़बड़ी नहीं है. पूरी पारदर्शिता के साथ सूची बनाई गई है, तो फिर उस पर विश्वास करने की बजाय अपने झूठे आरोपों को ही दोहराया जा रहा है. एक बात को बार-बार कहने से वह सच नहीं हो जाती. इसीलिए चुनाव आयोग भी सख्त रुख दिखा रहा है. कांग्रेस सहित विपक्षी दलों का प्रतिनिधिमंडल बिहार में हो रहे विशेष पुनरीक्षण के विरोध में चुनाव आयोग से मुलाकात की. आयोग ने साफ कर दिया कि पूरी प्रक्रिया संविधान के अंतर्गत पारदर्शी ढंग से हो रही है. किसी को भी मताधिकार से वंचित नहीं किया जाएगा, जहां तक कम समय का सवाल है तो यह आयोग की जिम्मेदारी है और आयोग समय सीमा में अपनी जिम्मेदारी पूरी करेगा. इसके लिए राजनीतिक दलों को परेशान होने की जरूरत नहीं है. मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया राजनीतिक दलों के साथ और उनके सक्रिय सहयोग से पूरी होती है. चुनाव आयोग राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट को भी इस प्रक्रिया में शामिल करता है. सबसे बड़ा सवाल कि पुनरीक्षण पर यह आरोप लगाए जा रहे हैं कि बीजेपी को लाभ पहुंचाने के लिए महागठबंधन के समर्थक वोटरों के नाम सूची से हटा दिए जाएंगे. यही बात कोई कैसे कह सकता है कि कौन किसका समर्थक है. दूसरी बात जो आरोप लगा रहे हैं उन दलों की ही जिम्मेदारी है, कि हर मतदाता को वांछित दस्तावेजों के साथ मतदाता सूची में पंजीबद्ध कराएं. कोई वैधानिक दस्तावेज और शामिल करने से अगर मतदाताओं को सुविधा हो सकती है, तो उस पर आयोग भी विचार कर सकता है. लेकिन प्रथम दृष्टि में ही प्रक्रिया को संदेहास्पद और चुनाव आयोग को अविश्वसनीय साबित करने की राजनीतिक साजिश लोकतंत्र को ही नुकसान पहुंचा रही है.

जब पॉलिटिकल एम्पायर कंगाल हो जाता है, तो फिर सवालों और आरोपों की राजनीति ही सहारा बचती है. तभी अंपायर पर सवाल खड़े किए जाते हैं. ऐसा हर दल के साथ होता है, लेकिन जिन दलों में नेतृत्व परिपक्व होता है, वहां दोबारा जनविश्वास पाने की कोशिश की जाती है.

संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग के ख़िलाफ़ आंदोलन की गलत परंपरा राहुल गांधी और कांग्रेस के गठबंधन सहयोगियों द्वारा शुरु की गई है. संविधान के नाम पर संवैधानिक संस्था का विरोध इन दलों के असंवैधानिक सोच और केरेक्टर को दर्शाता है. मामला सुप्रीम कोर्ट में है. फिर एक दिन पहले इस तरह के आंदोलन के पीछे क्या मकसद है. क्या अदालत पर दबाव की रणनीति है, जबकि चुनाव आयोग कह रहा है पात्र हर भारतीय नागरिक का नाम मतदाता सूची में जोड़ा जाएगा, लेकिन अपात्र गैर भारतीय किसी भी व्यक्ति का नाम हटाने में कोई कमी नहीं रखी जाएगी.झूठे आरोपों की राजनीति दीर्घकालीन नुकसान पहुंचाती है. विशेष पुनरीक्षण से जिनको तकलीफ है, उनको राहुल गांधी से सवाल करना चाहिए. अगर वह मतदाता सूची पर इतने सवाल न खड़े करते तो शायद विशेष पुनरीक्षण थोड़े समय बाद होता. जब आरोप लगाते हैं तो फिर सच्चाई से सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए.

सद्गुरु की तलाश में.. !

जयराम शुक्ल

विगत कुछ वर्षों से गुरु पूर्णिमा पर आस्था का प्राकट्य अपनी पराकाष्ठा में देखने को मिलने लगा है। इसे ऐसा भी कह सकते हैं कि अँधेरा जितना ही घना होता है रोशनी की किरण उतनी ही महत्वपूर्ण होती जाती है। भौतिकवादी दौर ने हमारे सनातनी ज्ञान और मूल संस्कृति को ढाँप लिया है। अवचेतन में हम उसी अंधकार से निकलने की चेष्टा करते हैं। पर सही पथप्रदर्शक न होने की वजह से एक गड्ढे से निकलते हैं तो चोहड़े में गिर पड़ते हैं। ऐसे में सदुरु की आवश्यकता और भी प्रबल हो जाती है। गुरु तो गली-गली मिल जाएंगे पर सदुरु को विवेक के टार्च से तलाशना पड़ता है। गुरुपूर्णिमा इस विवेक के टार्च को प्रज्जवलित करने का अवसर है जो प्रतिवर्ष आता है। जिसे सदुरु मिले वे वैसे ही धन्य हो जाते हैं जैसे कि गोस्वामी तुलसीदास..।

ज्ञानशिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास जी के लिए बजरंगबली देवता, ईश्वर नहीं, बल्कि सदुरु हैं। गोस्वामी जी कहते हैं-

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर।
जय कपीश तिहुँ लोक उजागर।।
जय जय जय हनुमान गोसाईं। कृपा करहुँ गुरुदेव की नाईं।।

महाकवि तुलसीदास ने हनुमान जी को गुरु बनाया और उनकी प्रेरणा से रचित ग्रंथों ने उन्हें अजर-अमर कर दिया, तो मैं मानता हूँ कि हनुमानजी महाराज से बड़ा सदुरु इस जगत में कोई नहीं..। महाभारत में यक्ष ने युधिष्ठिर से पूछा- कि पंथाः?

जवाब मिला- महाजनों येन गतो सो पंथाः।

यानी कि श्रेष्ठ जन जिस मार्ग पर चलें वही अनुकरणीय-अनुशरणीय है। सो इस जगत में मैं हनुमानजी महाराज से श्रेष्ठ गुरु और किसे मानूँ.. सो अपन ने भी। बजरंगबली को गुरुदेव मान लिया। सत्य यही है कि हनुमानजी कागज-कलम मसिजीवियों के लिए प्रथमेश हैं।

गोसाईं जी जब भी वे अपने गुरु का बखान करते हैं तो समझिये हनुमान जी का ही करते हैं। हनुमान चालीसा का आरंभ.. श्री गुरु चरण सरोज रज..से करते हुए कामना करते हैं और ऐसी ही कामना की प्रेरणा देते है..

सच पूछिये जिंदगी गुरु बिन व्यर्थ है। अध्यापक, शिक्षक, उपदेशक तो हमको हर मोड़, गली, चौरस्ते में मिल जाते हैं पर गुरु नहीं। बात सिर्फ गुरु भर से ही नहीं बनती। कबीर-नानक कहते हैं गुरु नहीं ज्ञान व मुक्ति के लिए सदुरु चाहिए। क्योंकि सदगुरू दुर्लभ ही मिलते है, गुरू के वेश में घंटाल ज्यादा।

कभी कभी लगता है कि राम-कथा सदुरु और गुरुघंटाल के बीच का भी संग्राम रहा। यानी कि हनुमानजी और रावण के बीच का। पुराणों में रावण को भी तो परमज्ञानी और रक्षसंस्कृति का प्रवर्तक बताया गया है।

एक प्रसंग से मैं अपनी बात प्रारंभ करता हूँ। हनुमानजी लंका जाते हैं तो सबसे पहले लंका की कुलरक्षक देवी लंकिनी को अपनी शिष्या बनाने का काम करते हैं। लंकिनी हनुमानजी से कहती है- तू तो मेरा अहार है कैसे चोरी छुपे घुसा जा रहा है। हनुमानजी जवाब देते है..जगत का सबसे बड़ा चोर तो लंका में रहता है। पराई नारी को छल से हर लाया। तेरा काम यदि लंका की चोरों से रखवाली करनी है तो पहले रावण को ही पकड़ लंकनी भ्रमित हो गई..कि

कौन बड़ा चोर, रावण कि हनुमानजी? गोस्वामी जी कहते हैं-

मुटका एक महाकपि हनी। रुधिर वमत धरती ढनमनी।।

इस चौपाई को संकेतों में समझिए। भला बजरंगबली के एक मुटके से कोई बच सकता है और वह भी जो राक्षस कुल का है। हनुमानजी ने लंकनी को भौतिक रूप से मुष्टिका प्रहार नहीं किया..वह मुटका ज्ञान का मुटका था। उस मुटके ने लंकनी को लंका के पापों से 'विरक्त' कर दिया। विरक्त होने के बाद -

पुनि संभार उठी सो लंका।जोरि पानि कर विनय सशंका।।

और उसके बाद लंकनी तो मानों परमज्ञानी और भगवद्चरित्र की प्रवाचक ही बन गई। गोसाईं जी ने सुंदरकांड का सबसे खूबसूरत व अर्थवान दोहा लंकनी के खाते में डाल दिया। कौन सा दोहा..

तात स्वर्ग-अपवर्ग हियधरी तुला एक अंग।
तूल न ताहि सकल मिलिजो सुख लव सत्संग।।

यानी कि तराजू के पलड़े में सत्संग के सुख के आगे स्वर्ग का सुख पासंग बराबर नहीं है।

बजरंगी बली का वह मुटका ज्ञान का मुटका था, जो लंकनी की पीठ पर नहीं मष्तिष्क पर पड़ा और वह लंका में हो रहे अन्याय.. रावण के धतकरमों से 'वि-रक्त' हो गई। सदुरु का महात्म्य देखिए कि उससे संस्कारित शिष्य तत्काल ही अपने गुरु को उपदेश देने लगता है शुभेच्छा व्यक्त करने लगता है।

गोसाईं जी ने एक और खूबसूरत चौपाई लंकनी के खाते में डाल दी..और डालें भी क्यों न लंकनी को उन्होंने अपनी गुरुबहन जो मान लिया। तो वो चौपाई है-

प्रबिसि नगर कीजै सब काजा।
हृदय राखि कौशलपुर राजा।।

गजब की चौपाई है यह। हनुमानजी तो रामकाज के लिए कौशलाधीश भगवान रामचंद्र को हृदय में स्थापित करके ही लंका चले थे..जिस लंकनी को उन्होंने संसारसागर से विरक्त कर दिया वही अब उन्हें उपदेश दे रही है।

सदुरु की यही असली पहचान है कि उनका शिष्य भी उन्हीं की भाषा बोलने लगे। सो मैंने अपना सदुरु हनुमानजी को ही मान लिया। वे मेरे लिए चमत्कारिक देवता या रुद्रांश नहीं हैं मैं उन्हें वैसे ही सदुरु के रूप में देखता हूँ जैसे वि-रक्त होने के बाद लंकिनी..।

बजरंगबली परमप्रभु की प्राप्ति विरक्त होने का ज्ञान देते हैं और इधर मनुष्य है कि उसका हर रिश्ता स्वार्थ की रस्सी से बँधाँ होता है। अब तो पिता और पुत्र के बीच में भी यही रिश्ता देखने को मिलता है, दूसरों को क्या कहिए।

दाढी वाले कनफुकवा तोंदियल अपन की समझ में कभी नहीं आए। एक कान में जो मंत्र फूकते हैं वह दूसरे से निकल जाता है। फिर उनके आशीर्वाद का वजन भी भक्त की आर्थिक हैसियत के हिसाब से होता है।

अजकल ऐसे महंत, पंडे भी अपनी महिमा की मार्केटिंग करते हैं। बाकायदा उनकी प्रपोगंडा टीम होती है जो प्रचारित करती है कि ये कितने महान व चमत्कारी हैं। देश और बाजार के कौन कौन जोधा उनके चेले हैं।

ऐसे भी कई गुरू हैं जो औद्योगिक घरानों के बीच अर्बिटेशन का काम करने के लिए जाने जाते हैं।

एक बार एक मित्र एक चमत्कारी संत के यहां ले गए। चुनाव का सीजन था। टिकटार्थी लाइन पर लगे थे। मित्र भी लाइन में लग गए। संतजी भगत के चढावा के हिसाब से पार्षदी से लेकर सांसदी तक की टिकट के लिए मैय्या से विनती करते थे। मित्र के लिए मैय्या से विधायकी की सिफारिश की। अब तक मित्र के उम्र की मैय्यत भी निकल गई टिकट नहीं मिली।

चमत्कारी संत के लगुआ ने बताया कि मेरे मित्र के प्रतिद्वंद्वी ने ज्यादा भक्ति की सो टिकट उसको मिल गई। सो उसी दिन समझ में आ गया कि ..जो ध्यावे फल पावे..का क्या अर्थ होता है।

बहरहाल हर गुरुपूर्णिमा में चाँदी तो इन्हीं की कटती है। ये अपने अपने विश्वास की बात है..विश्वास जिंदा रहे..धर्म के नाम का धंधा फले फूले। इनकमटैक्स, इनफोर्समेंट की काली छाया इनपर कभी न पड़े। जनता टैक्स पर टैक्स दे देकर इनके दर पर जैकारा मारती रहे। सरकारें आती जाती रहें और आश्रमों का टर्नओवर इसी तरह दिनदूना रात चौगुना बढता रहे।

बचपन में भागवत कथा सुनने जाता था। देवताओं राक्षसों के बीच ढिसुंग-ढिसुंग की कहानियां सुनकर बड़ा मजा आता था। पर जब गुरूबाबा काम, क्रोध, मद, मोह और माया(धन दौलत) त्यागने का उपदेश देने लगते तो बोरियत होने लगती थी।

अपने गांव में देखा गुरूबाबा लालबिम्ब.और जजमान मरियल सा। रहस्य था गुरूबाबा दस दिन देशी घी की हलवा पूरी छानते थे और उनके आदेश पर बपुरा जजमान उपासे कथा सुनता था। गए साल मित्र के यहां भागवत हुई ।रिश्ता निभाना था सो गया..पता चला मोहमाया, लोभ त्यागने का उपदेश देने वाले पूरे दस लाख के करारनामे में आए थे।

सो ऐसे कई वाकए हैं कि न मेरा शिक्षा में कोई गुरु हुआ, न पेशे में और न ही कनफुकवा मंत्र देने वाला।

मैं तलाशता रहा कि कोई गुरु मिले स्वामी रामानंद जैसा जो कान में यह फूंकते हुए हृदय में उतर जाऐ ..कि जाति पाँति पूछे नहि कोय,हरि को भजै सो हरि का होय। रैदास जैसा भी कोई नहीं मिला जिसके मंत्र ने क्षत्राणी मीरा कृष्ण की दीवानी मीरा बन गई।

कबीर, नानक जैसे सदुरु आज के दौर में होते और तकरीर देते तो उनकी मुंडी पर कितने फतवे और धर्मादेश जारी होते हिसाब न

लगा पाते। नेकी कर दरिया में डाल.. जैसा उपदेश देने वाले बाबा फरीद होते तो यह देखकर स्वमेव समाधिस्थ हो जाते कि.. नेकी की सिर्फ़ बातकर, विग्यपन छपा और टीवी में जनसेवा के ढोल बजा। अपन ने बजरंग बली को गुरु इसलिए बनाया कि भक्तों से उनकी कोई डिमांड नहीं । सिंदूर चमेली का चोला व चने की दाल चढाने वालों दोनों पर बराबर कृपा बरसाते हैं। वे सद्बुद्धि के अध्येता हैं । डरपोक सुग्रीव को राज दिलवा दिया। विभीषण को मति देकर राक्षस नगरी से निकाल लाए व लंकाधिपति बनवा दिया वे । गरीब गुरबों के भगवान हैं । वे लिखने पढने वालों के प्रेरक हैं। वे वास्तव में सदुरु हैं।

हनुमत चरित अपने आप में ज्ञान का महासागर है सो साल का हर दिन ही मेरे लिए उनका प्रकटोत्सव है, गुरू पूर्णिमा जैसा है। इसलिए हर दिन उन्हें ही स्मरण करता हूँ कि बजरंगबली सदा सहाय करें।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

गुरु पूर्णिमा पर सही तरीके से करें सत्यनारायण पूजा, घर में सुख और शांति का होगा वास

गुरुवार, जो बृहस्पति ग्रह और भगवान विष्णु के दिन के रूप में माना जाता है, अत्यधिक शुभ और प्रभावशाली होता है। खासकर जब यह गुरु पूर्णिमा के साथ आता है। हिंदू धर्म में गुरु के स्थान को सबसे जरूरी स्थान माना जाता है।

ये दिन गुरु के प्रति श्रद्धा और आभार व्यक्त करने के साथ-साथ आत्मविकास और अध्यात्मिक उन्नति के लिए भी महत्वपूर्ण है। इस बार पूर्णिमा 10 जुलाई को मनाई जाएगी।

तो ऐसे में इस दिन विशेष रूप से सत?यनारायण भगवान की पूजा की जाती है, जो घर में सुख, शांति, और समृद्धि लाने में मदद करती है और पारिवारिक एवं आर्थिक स्थिति को सुधारने में सहायक होती है...

गुरु पूर्णिमा कब है

पंचांग के मुताबिक, इस साल गुरु पूर्णिमा की तिथि 10 जुलाई को रात 1.36 बजे से शुरू होगी, जो 11 जुलाई को रात 2.6 बजे समाप्त होगी। उदयातिथि के मुताबिक ये पर्व 10 जुलाई को मनाया जाएगा।

शुभ योग

ज्योतिषशास्त्र के मुताबिक, इस बार गुरु पूर्णिमा पर एक विशेष योग बन रहा है, क्योंकि इस दिन इंद्र योग और वैधृति योग का निर्माण हो रहा है। हालांकि, इस दिन भद्रा का प्रभाव भी रहेगा, लेकिन यह पाताल लोक में होने के कारण इसका कोई असर नहीं पड़ेगा।

हिंदू धर्म में किसी भी पूर्णिमा के दिन सत?यनारायण कथा का आयोजन करने से व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आ सकते हैं। मान्यता के मुताबिक, इस पूजा के कुछ विशेष लाभ होते हैं, जैसे

घर में सुख, शांति और सौभाग्य का वास

गुरुवार और गुरु पूर्णिमा के संयोग से घर में सुख, शांति और सौभाग्य का वास होता है। जब इस दिन घर में

सत्यनारायण भगवान की कथा होती है, तो घर के वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा और सात्विकता का संचार होता है।

यह पूजा घर में लड़ाई-झगड़े, तनाव, और पारिवारिक कलह को दूर करने में मदद करती है और रिश्तों में सौहार्द और समझदारी को बढ़ावा देती है।

सत्यनारायण भगवान को धन, वैभव, और समृद्धि के रक्षक माना जाता है। गुरु पूर्णिमा पर सत्यनारायण कथा से आर्थिक बाधाएं दूर होती हैं। नौकरी, व्यापार, और निवेश में लाभ होता है।

बृहस्पति ग्रह की कृपा से उधारी से मुक्ति मिलती है और आमदनी में निरंतर वृद्धि होती है। यह पूजा विशेष रूप से उन लोगों के लिए लाभकारी है, जो आर्थिक अस्थिरता, कर्ज़ या नौकरी में असुरक्षा का सामना कर रहे हैं।

गुरु पूर्णिमा का मुख्य उद्देश्य गुरु के प्रति श्रद्धा और आत्मा का शुद्धिकरण है। सत्यनारायण कथा का आयोजन व्यक्ति के आध्यात्मिक विकास में मदद करता है।

इस दिन का आयोजन साधकों को ध्यान, जप और तप में मन की एकाग्रता देता है। विद्यार्थियों के लिए यह दिन विद्या, स्मरण शक्ति और अनुशासन की प्राप्ति का है। यह पूजा आत्मबोध और जीवन के सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है।

परिवार में संतुलन और अच्छे रिश्ते

गुरु पूर्णिमा पर सत्यनारायण कथा करवाने से परिवार में संतुलन और सद्भावना बढ़ती है। जिन दंपतियों को संतान सुख की प्राप्ति में बाधाएं आ रही हैं, उनके लिए यह पूजा बहुत शुभ मानी जाती है।

यह कथा विवाह संबंधी विलंब और पारिवारिक मनमुटाव को दूर करने में सहायक होती है। इस दिन की पूजा सास-बहू, पति-पत्नी, और संतान के रिश्तों को भी मधुर बनाती है।

पितृ दोष, ग्रह बाधा और स्वास्थ्य समस्याओं से मुक्ति

सत्यनारायण कथा ग्रह दोष, विशेष रूप से बृहस्पति दोष, कालसर्प योग, और पितृ दोष को शांत करने में मदद करती है। यह पूजा पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए भी बेहद लाभकारी मानी जाती है।

साथ ही, यह मानसिक बेचैनी, बार-बार बीमारी, या घर के किसी सदस्य की अनसुलझी समस्या को दूर करने में भी सहायक होती है। कथा के दौरान किए गए सामूहिक प्रार्थना और हवन से घर में रोग निवारक वातावरण बनता है।

सत्यनारायण पूजा की विधि

स्थान का चयन- पूजा के लिए एक साफ और शुद्ध स्थान का चयन करें, जहां शांति बनी रहे।

आसन पर बैठना- लाल या सफेद आसन पर बैठकर पूजा प्रारंभ करें।

भगवान की मूर्ति या चित्र का प्रतिष्ठान- सत्यनारायण भगवान का चित्र या मूर्ति रखें और उन्हें स्नान कराएं।

दीपक और धूप अर्पित करें- भगवान को दीपक और धूप अर्पित करें, जिससे वातावरण शुद्ध हो।

भोग अर्पित करें- ताजे फल, फूल, और मिठाई अर्पित करें (केले, सेव, चंदन आदि)।

सत्यनारायण कथा का श्रवण करें- भगवान की कथा का पाठ करें या किसी से सुनें।

व्रत का संकल्प लें- अगर कोई व्रत लेने का संकल्प हो, तो उसे पूरी श्रद्धा से लें।

गोपनीय वचन का पालन करें- व्रत में बताए गए नियमों का पालन करें और प्रार्थना करें।

बैरसिया के वार्ड क्रमांक 7 उपचुनाव मैं भाजपा का कब्जा बुरी तरह से कांग्रेस की हुई करारी हार

बैरसिया। नगर पालिका परिषद के वार्ड क्रमांक 7 उपचुनाव में भाजपा ने जीत कर अपना कब्जा कर लिया है इस उपचुनाव में भाजपा की ओर से उतारी गई प्रत्याशी शाइस्ता सुल्तान ने अपने निकटतम प्रत्याशी को 137 वोट से हराया 7 जुलाई को हुआ मतदान. के बाद 10 जून को सुबह बैरसिया तहसील कार्यालय में वोटो की गिनती की गई जिसमें बीजेपी उम्मीदवार शाइस्ता सुल्तान को 451, निर्दलीय उम्मीदवार फरीदा अहमद को 314, आफरीन को 196 और नोटा को 14 वोट मिले। बता दें कि यह सीट पूर्व पार्षद के फर्जी प्रमाण पत्र की वजह से यह सीट खाली हुई थी इसके बाद निर्वाचन आयोग ने उपचुनाव कराया था इस उप चुनाव में भाजपा को दोबारा से काबिज होने का मौका मिल गया वहीं भाजपा की इस जीत पर नगर में जशन का माहौल है इस जीत पर भाजपा उम्मीदवार मुकीम शाइस्ता सुल्तान ने सभी वार्ड वासियों को बधाई दी है इस जीत पर भाजपा में जीत का एक बार फिर से जशन का माहौल है इस वार्ड को फिर से जीत कर दोबारा वार्ड में फिर से अपना वर्चस्व को काबिज किया है

राज्य शिक्षक संघ ने ई अटेंडेंस को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

सांध्य प्रकाश इटारसी। शिक्षकों के लिए मुसीबत बनी ई अटेंडेंट का अब शिक्षकों में विरोध दिखने लगा है। शिक्षकों को बरसते पानी में नदी नाले उफान पर आने के बाद भी शिक्षक संघ के ज्ञापन को प्रभावित नहीं कर पाए। उन्होंने रैली निकालकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा।नव नियुक्ति संयुक्त संचालक डॉ मनीष वर्मा का स्वागत किया,

इस दौरान नव नियुक्त संयुक्त संचालक महोदय ने बताया कि पूर्व से पेंडिंग प्राथमिक ,माध्यमिक शिक्षको के एरियर की राशि एवं उच्च माध्यमिक शिक्षको के समय मान बेतनमान के एरियर की राशि के भुगतान हेतु निर्देशित कर दिया गया है। शीघ्र ही आपकी लंबित समस्याएं दूर होंगी।राज्य शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने संभाग नर्मदापुरम के संयुक्त संचालक के पद पर पद भार ग्रहण करने पर बधाई एवम शुभकामनाएं दी विचारों का आदान प्रदान किए। ज्ञापन में जिलाध्यक्ष उमेश ठाकुर के साथ सुदीप गजेन्द्र बछले,सुरेन्द्र पटेल, ध्रुव यदुवंशी,केसरी सिंह राजपूत,कुंवर सिंह वाड़ीवा, (ब्लाक अध्यक्ष नर्मदपुराम)अर्जुन रघुवंशी,संतोष मीना,हेमराज तिवारी, परम सुख गढ़वाल,संतोष तनेजा, एन के चौधरी ,सुनील उइके,दुर्गा कुशवाहा,सतीश विनोद सेवरिया आरसे,दरयाव सिंह,मोनिका जोशी,माया मालवीय,हंसमणि मेहरा,आदि सैकड़ों शिक्षक साथी उपस्थित रहे।

वार्ड में बारिश से भरे पानी की निकासी करा रहे पार्षद और विधायक प्रतिनिधि

सांध्य प्रकाश, इटारसी। दो दिन पूर्व हुई भारी बारिश से शहर के कई इलाकों में जलमग्न हो गए हैं। कई स्थानों पर जल-जमाव होकर नालियों में कचरा भर गया जिससे स्थिति गंभीर हो गयी थी। शहर के सभी वार्ड पार्षदों ने स्वयं रुचि लेकर अपने-अपने वार्ड में नपा सफाई कर्मियों से सफाई करायी और नालियों में बाधा बन रहे कचरे को निकलवाया।

वार्ड में कई स्थानों पर जेसीबी का उपयोग कर सफाई निकासी सुनिश्चित करावाई गई। इसी क्रम में वार्ड 22 में पार्षद एवं सभापति श्रीमती गीता देवेन्द्र पटेल और कृषि उपज मंडी विधायक प्रतिनिधि देवेन्द्र पटेल ने अपने वार्ड की गलियों में घूमकर स्थिति का जायजा लिया उन्हें जहां भी पानी भराव दिखाई दिया उन्होंने नपा कर्मियों को साथ लेकर जेसीबी से सफाई और नालीयों से निकासी कर व्यवस्था दुरुस्त कराई। इस दौरान श्री पटेल ने वार्डवासियों से चर्चा की और बताएं स्थानों कि व्यवस्था ठीक करायी। वार्ड पार्षद - सभापति श्रीमती गीता पटेल ने कहा कि आगामी दिनों में लगातार वार्ड के लोगों को बारिश में जलजमाव की स्थिति से निकालने हर संभव प्रयास किये जाएंगे ।इस दौरान उनके साथ नपा कर्मियों सहित वार्ड के अनेक लोग साथ थे।

गुरु पूर्णिमा पर अयोध्या, प्रयागराज और वाराणसी में उमड़ी भक्ति की लहर, श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

नई दिल्ली। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गुरूवार 10 जुलाई 2025 को अयोध्या, प्रयागराज और वाराणसी में श्रद्धा और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला। सरयू, त्रिवेणी संगम और गंगा घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं ने ब्रह्म मुहूर्त से ही स्नान, पूजन और गुरु वंदना के साथ अपनी आस्था प्रकट की।

अयोध्या के सरयू तट पर गूंजे गुरु वंदना के जयकारे-: अयोध्या धाम में गुरु पूर्णिमा का पर्व इस बार ऐतिहासिक उत्साह के साथ मनाया गया। तड़के से ही सरयू नदी के घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ स्नान कर मां सरयू का आशीर्वाद लिया। मठ-मंदिरों में गुरुओं के दर्शन और सत्संग के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। हर-हर महादेव और जय गुरु देव के जयकारों से सरयू तट गूंज उठा।

प्रयागराज के त्रिवेणी संगम में आस्था का जनसैलाब: प्रयागराज के त्रिवेणी संगम पर भी गुरु पूर्णिमा के दिन भक्तों का हुजूम उमड़ा। गंगा, यमुना और सरस्वती के पवित्र संगम में देश भर से आए श्रद्धालुओं ने स्नान कर पुण्य अर्जित किया। स्नान के बाद दान-दक्षिणा और सत्संग में हिस्सा लेने के लिए भक्त अपने गुरुओं और मठों की ओर रवाना हुए। प्रशासन ने सुरक्षा के लिए घाटों पर पुलिस और स्वयंसेवकों की तैनाती की थी। स्थानीय श्रद्धालु राकेश त्रिपाठी ने कहा, गंगा स्नान और गुरु का आशीर्वाद लेना आत्मा को शांति देता है। यह दिन हमें

सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

वाराणसी के गंगा घाटों पर श्रद्धा अटल, बाबा विश्वनाथ के दर्शन को उमड़े भक्त- काशी के दशाश्वमेध और अन्य गंगा घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। बढ़ते गंगा जलस्तर के बावजूद भक्तों की आस्था में कोई कमी नहीं दिखी। कई श्रद्धालु जल में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देते और गंगा जल से पूजन करते नजर आए। प्रशासन ने एनडीआरएफ और जल पुलिस की टीमें तैनात कर सुरक्षा सुनिश्चित की। स्नान के बाद भक्त बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए काशी विश्वनाथ मंदिर की ओर बढ़े।

गुरु पूर्णिमा का महत्व-पुरोहित गोपाल दास ने बताया, गुरु पूर्णिमा गुरु की महिमा का उत्सव है। गुरु वह मार्गदर्शक हैं, जो हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं। यह पर्व न केवल गुरु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, बल्कि आत्मिक जागृति और साधना का भी प्रतीक है। देश भर में गुरु पूर्णिमा का यह पर्व श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिकता का अनूठा संगम बनकर उभरा। प्रशासन ने सभी तीर्थ स्थलों पर सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए, जिससे श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो।

गर्भवती महिलाओं के लिए पौष्टिक आहार की व्यवस्था बनाई जाये: कलेक्टर

दमोह। जिले में सुबह से लगातार हो रही भारी बारिश के बावजूद चिन्हित जोखिम वाली गर्भवती एवं सामान्य गर्भावस्था वाली महिलाओं ने उत्साह पूर्वक सामुदायिक एवं आयुष्मान आरोग्यम प्राथमिक स्वास्थ्य संस्थाओं में पहुंचकर विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। 491 महिलाओं का स्त्री रोग विशेषज्ञों/स्किल लैब प्रशिक्षित चिकित्सकों ने स्वास्थ्य जांच कर सेवायें प्रदान की। जिला स्तर से कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रीता चटर्जी सहित कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा विशेष स्वास्थ्य जांच क्लीनिकों का जायजा लिया।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत जिले में संचालित विशेष स्वास्थ्य जांच क्लीनिक का औचक निरीक्षण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बटियागढ़, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सदगुवां पर जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की जांच प्रक्रिया की जानकारी लेकर प्रदायित की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की।

कलेक्टर कोचर ने पी.एच.सी सदगुवां पहुंचकर अभियान के दौरान संचालित क्लीनिक का अवलोकन करते हुये स्वास्थ्य सेवा एवं बनाई गई व्यवस्था पर खुशी जाहिर की। उन्होने मौके पर ही दो महिलाओं को आयरन सुक्रोज देना पाया गया। चिकित्सक डॉ. पुष्पेन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि सामान्य गर्भवती महिला की जांच संस्था में नियमित रूप से की जा रही है। आज 6 गर्भवती महिलाओं का चिन्हांकन किया गया है। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने महिलाओं के परिजनों एवं आशा कार्यकर्ता से यहां दी जा रही उपचार सेवा एवं बनाई गई सुविधाओं के संबंध में चर्चा कर दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की प्रशंसा करते हुये कर्मचारियों को प्रोत्साहित कियाद्य

ऐसा लगता है कि मार्च तक कंप्लीट हो जाएगा निर्माण

नवनिर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का सांसद ने लिया जायजा

दमोह। नवनिर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज दमोह का क्षेत्र के सांसद राहुल सिंह ने भ्रमण कर जायजा लिया। उन्होंने बॉयज हॉस्टल, नर्सिंग स्टाफ आवास, ऑडिटोरियम आदि निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया और निर्माण कार्यों के प्रगति की समीक्षा की। इस अवसर पर एसडीएम आरएल बागरी विशेष रूप से मौजूद थे।

सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा मेडिकल कॉलेज के निर्माण कार्य प्रगति की समीक्षा की गई है और तकरीबन 75-80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है, बॉयज हॉस्टल, नर्सिंग स्टाफ के आवास की सुविधा और ऑडिटोरियम जहाँ पर छात्रों का सेमिनार होना है, जिस हिसाब से कार्य प्रगति की गति चल रही है, मुझे ऐसा लगता है कि मार्च तक कंप्लीट हो जाएगा और सितम्बर तक एडमिशन की स्थिति यहाँ पर बनने लगेगी। बड़े ही संतोषजनक स्थिति में काम चल रहा है और

निरंतर हम सभी का प्रयास था कि मेडिकल कॉलेज दमोह को मिले तो मुझे लगता है कि अगले वर्ष सितम्बर तक मेडिकल कॉलेज दमोह के लिये समर्पित हो जायेगा।

इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों के अलावा पार्टी के कार्यकर्ता और एजेंसी के अधिकारी-कर्मचारी गण मौजूद थे।

आगामी गुरुवार हॉट बाजार निश्चित स्थान पर लगाया जाए, लक्ष्मी सोनू चौकसे

औबेदुल्लागंज(संवाददाता) । कार्यालय नगर परिषद औबेदुल्लागंज नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सोनू चौकसे , मुख्य नगर पालिका अधिकारी किरण राहंगडाले से प्राप्त निर्देश अनुसार वार्ड क्रमांक 4 स्थित हाट बाजार लगाए जाने पर विचार विमर्श किया गया एवं कार्यालय के अधिक कर्मचारी अधिकारी कर्मचारियों से चर्चा कर साफ सफाई एवं उपयुक्त व्यवस्था करने की बात की गई तथा आगामी समय दिन गुरुवार से निश्चित स्थान पर हाट बाजार लगाने की बात कही गई नगर के वरिष्ठ एवं अन्य पत्रकार बंधुओं तथा नगर के वरिष्ठ नागरिक द्वारा आग्रह किया गया की वर्षा के कारण नगर में हाट बाजार निश्चित स्थान पर लगे जिससे समस्त वार्ड वासियों को इसका लाभ प्राप्त हो सके नगर के समस्त नागरिकों की

समस्या को ध्यान में रखते हुए नगर परिषद अध्यक्ष द्वारा अधिकारी कर्मचारियों को तत्काल आदेश दिए गए की हार्ड बाजार को तात्कालिक रूप से आगामी गुरुवार लगाए जाने हेतु जो संभव हो सके प्रयास कर अगले गुरुवार हाट बाजार निश्चित स्थान पर लगाया जावे जिसका लाभ नगर के समस्त नगर वासियों को प्राप्त हो सके।

आवश्यकता है

एम पी ऑनलाईन में कार्य हेतु आवश्यकता है, व्यक्तिगत सम्पर्क करें, 11 से शाम 6 बजे तक सम्पर्क करें

::सम्पर्क::
बालाजी एसोशिएट,गर्ल्स के सामने प्रेस काम्पलेक्स छिंदवाड़ा म.प्र.

आम-सूचना

म.प्र. राज्य सहकारी आवास संघ मर्या. भोपाल के कार्यालयीन रिकॉर्ड के अनुसार भूखण्ड क्रमांक 76, आराधना नगर भोपाल, लोक निर्माण विभाग कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. भोपाल द्वारा श्री ओम प्रकाश अस्थाना आत्मज स्व. श्री चंद्रिका प्रसाद अस्थाना को संस्था द्वारा वर्ष 1982 में आवंटित किया गया था। उक्त भूमि की मूल पंजीकृत पट्टा विलेख दिनांक 01-06-1982, पुस्तक संख्या 1-ए खंड संख्या 3169 और सीरियल दस्तावेज क्रमांक 1499 ओम प्रकाश अस्थाना अर्थात स्वर्गीय श्री चंद्रिका प्रसाद अस्थाना जी की मूल पंजीकृत पट्टा गुम हो गई है। यदि उपरोक्त प्लाट के विक्रय पर एवं नामांतरण पर संपत्ति से हितबद्ध वारिस एवं अन्य किसी व्यक्ति संस्था बैंक आदि को कोई आपत्ति हो तो 2 दिवस में मय दस्तावेज एवं प्रमाण के साथ एडवोकेट विजय चतुर्वेदी जी से सम्पर्क करें।

एडवोकेट
विजय चतुर्वेदी जी
मोबाईल न. -
9826449983
चांदबड़ भोपाल

भोपाल-उज्जैन के बीच दौड़ेगी सावन स्पेशल ट्रेन

सावन मास में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए भारतीय रेलवे ने भोपाल और उज्जैन के बीच सावन स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। यह ट्रेन 10 जुलाई 2025 से शुरू होगी और रोजाना चलेगी।

सावन मास के शुरू होते ही, भक्तों का उत्साह चरम पर होता है, खासकर शिवालयों और महाकाल के मंदिरों में। इस दौरान लाखों श्रद्धालु उज्जैन महाकाल के दर्शन के लिए यात्रा करते हैं। इस विशाल श्रद्धालु भीड़ को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रेलवे ने भोपाल और उज्जैन के बीच विशेष सावन स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। यह ट्रेन भक्तों को यात्रा में आराम और सुविधा प्रदान करेगी।

भोपाल-उज्जैन सावन स्पेशल ट्रेन की टाइमिंग: 10 जुलाई 2025 (आज) से शुरू होने वाली यह सावन स्पेशल ट्रेन प्रतिदिन चलने वाली है। ट्रेन की शुरुआत भोपाल से होगी, जहां से यह रात 2ः15 बजे रवाना होगी और सुबह 7ः20 बजे उज्जैन पहुंचेगी। वहीं, वापसी में यह ट्रेन उज्जैन से रात 9ः00 बजे चलेगी और अगले दिन सुबह 1ः05 बजे भोपाल स्टेशन पहुंचेगी।

यह विशेष ट्रेन उन भक्तों के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित होगी, जो उज्जैन महाकाल के दर्शन के लिए यात्रा कर रहे हैं, क्योंकि यह यात्रा काफी सुगम और सुलभ बनाएगी।

कबसे चलेगी, क्या समय होगा, कहां-कहां रुकेगी शॉर्ट में समझें

आरंभ तिथिः सावन स्पेशल ट्रेन 10 जुलाई 2025 से भोपाल और उज्जैन के बीच चलेगी।

समयः भोपाल से उज्जैन 2ः15 बजे, उज्जैन से भोपाल 9ः00 बजे।

स्टॉपेजः संत हिरदाराम नगर, सीहोर, कालापीपल, शुजालपुर, अकोदिया, कालीसिंध, बेरछा, मक्सी और तराना।

कोचः 9 अनारक्षित कोच, जिनमें 7 सामान्य श्रेणी और 2 एसएलआरडी हैं।

लाभः उज्जैन महाकाल दर्शन के लिए यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा।

भोपाल-उज्जैन सावन स्पेशल ट्रेन के स्टॉपेजः यह ट्रेन भोपाल से उज्जैन के बीच विभिन्न प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी, जिससे यात्रियों को आसानी से सवारी का लाभ मिलेगा। ट्रेन का मार्ग संत हिरदाराम नगर, सीहोर, कालापीपल, शुजालपुर, अकोदिया, कालीसिंध, बेरछा, मक्सी और तराना स्टेशनों से होकर गुजरता है। यह रास्ता श्रद्धालुओं के लिए बहुत सुविधाजनक साबित होगा क्योंकि ये स्टेशन उनके मार्ग में आते हैं।

इस ट्रेन की प्रमुख स्टॉपेजः संत हिरदाराम नगर सीहोर ,कालापीपल, शुजालपुर, अकोदिया ,कालीसिंध , बेरछा , मक्सी, तराना

ट्रेन की श्रेणी और कोचः यह ट्रेन पूरी तरह से अनारक्षित होगी और इसमें सामान्य श्रेणी के कोच होंगे। कुल मिलाकर ट्रेन में 9 कोच होंगे, जिनमें 7 सामान्य श्रेणी के और 2 एसएलआरडी कोच शामिल हैं। यात्रियों के लिए किराया मेल/एक्सप्रेस ट्रेन के अनुसार ही होगा, जिससे यात्री बिना किसी परेशानी के अपनी यात्रा कर सकेंगे।

सावन स्पेशल ट्रेन का शेड्यूलः गाड़ी संख्या 09313 (उज्जैन-भोपाल स्पेशल)रोजाना रात 9 बजे उज्जैन से रवाना होगी और विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए, रात 1ः05 बजे भोपाल पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 09314 (भोपाल-उज्जैन स्पेशल) रोजाना रात 2ः15 बजे भोपाल से रवाना होगी और विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए, सुबह 7ः20 बजे उज्जैन पहुंचेगी।

सावन स्पेशल ट्रेन के यात्रा का लाभ

यह नई ट्रेन सेवा श्रद्धालुओं के लिए बहुत ही सुविधाजनक साबित होगी। यह उन यात्रियों को विशेष सुविधा देगी जो उज्जैन महाकाल के दर्शन के लिए यात्रा करना चाहते हैं।

1. उज्जैन-भोपाल सावन स्पेशल ट्रेन का समय क्या है?

सावन स्पेशल ट्रेन भोपाल से रात 2.15 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 7.20 बजे उज्जैन पहुंचेगी। वहीं, उज्जैन से यह ट्रेन रात 9 बजे चलेगी और सुबह 1ः05 बजे भोपाल पहुंचेगी।

2. भोपाल-उज्जैन सावन स्पेशल ट्रेन के स्टॉपेज कौन-कौन से हैं?

यह ट्रेन संत हिरदाराम नगर, सीहोर, कालापीपल, शुजालपुर, अकोदिया, कालीसिंध, बेरछा, मक्सी और तराना स्टेशनों पर रुकती है।

3. भोपाल-उज्जैन सावन स्पेशल ट्रेन का किराया क्या होगा?

यह ट्रेन पूरी तरह से अनारक्षित है और इसमें सामान्य श्रेणी का किराया लागू होगा, जो मेल/एक्सप्रेस ट्रेन के किराए के अनुसार होगा।

सोशल मीडिया से

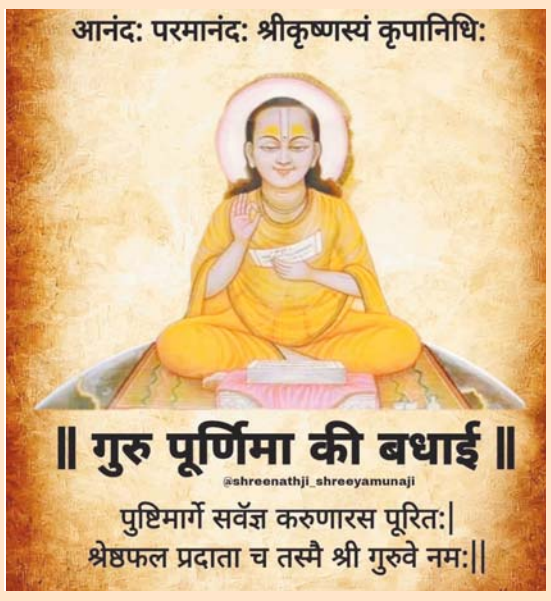

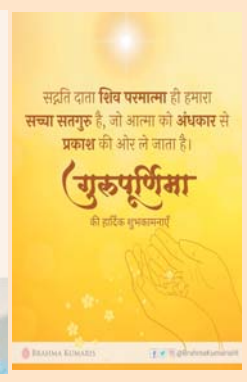

मुख्यमंत्री ने पुस्तिका सदानीरा जल संसाधन बहती रहे जल की धारा का विमोचन किया

इस वर्ष चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान पर केन्द्रित है पुस्तिका

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को मंत्रालय वल्लभ भवन में जल संसाधन विभाग की सदानीर जल संसाधन बहती रहे जल की धारा पुस्तिका का विमोचन किया। इस अवसर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, पंचायत, ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, एमएसएमई मंत्री चैतन्य कुमार कश्यप उपस्थित थे। यह पुस्तिका प्रदेश में इस वर्ष जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान पर केन्द्रित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभियान की सफलता पर सभी संबंधितों को बधाई दी। मंत्री सिलावट ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कैच द रेन संकल्प को मूर्त रूप प्रदान करते हुए 'खेत का पानी खेत में, गांव का पानी गांव में' के सिद्धांत पर आधारित जल गंगा संवर्धन अभियान ने मध्य प्रदेश में जल संरक्षण को नई दिशा दी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में जल संसाधन विभाग द्वारा प्रदेश में 30 मार्च से 30 जून 2025 तक चलाए गए इस अभियान ने जल संरक्षण को एक जन-आंदोलन में परिवर्तित कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी नदियां, तालाब और जल स्रोत जीवन का आधार हैं। इनके संरक्षण के लिए सरकार और समाज का यह संयुक्त प्रयास न केवल अनुकरणीय है, बल्कि मध्य प्रदेश को जल प्रबंधन में अग्रणी बनाएगा।

मंत्री सिलावट ने बताया कि इस अभियान ने जल संरक्षण के प्रति जागरूकता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया और सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित किया। डिजिटल

मानचित्रण, जलवायु अनुकूल संरचनाओं का विकास और वित्तीय-तकनीकी संसाधनों का समावेश भविष्य में जल प्रबंधन को और सुदृढ़ करेगा। ÷जल है जीवन का आधार का संदेश जन-जन तक पहुंचा, जिससे जल संरचनाओं का प्रभावी रखरखाव और संरक्षण सुनिश्चित हुआ। सिलावट ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान ने जल संसाधन विभाग के माध्यम से प्रदेश में जल प्रबंधन और कृषि विकास के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी परिवर्तन की आधारशिला रखी। लघु और मध्यम सिंचाई परियोजनाओं की पूर्णता, नहरों की व्यापक सफाई, तालाबों व जलाशयों का जीर्णोद्धार और जनसहभागिता आधारित पहलों ने जल संसाधनों की दक्षता और स्थिरता को नया आयाम दिया। यह अभियान न केवल मध्य प्रदेश के लिए गौरव का विषय है, बल्कि जल संरक्षण के क्षेत्र में देश के लिए एक प्रेरणा बन गया है।

55 जिलों में 2,444 में से 2,190 वृहत जल संरचनाओं के कार्य पूर्ण

प्रदेश में 55 जिलों में 2,444 में से 2,190 वृहत जल संरचनाओं के कार्य पूर्ण किए गए, जिनमें तालाबों व जलाशयों का जीर्णोद्धार, नहरों की सफाई, अतिक्रमण मुक्ति और पौधरोपण जैसे कार्य युद्ध स्तर पर हुए। उज्जैन, इंदौर, चंबल-बेतवा, नर्मदापुरम, रीवा, सागर और वैनगंगा कछार जैसे क्षेत्रों में विशेष प्रगति दर्ज की गई। जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार कार्यों के अंतर्गत तालाबों, जलाशयों और नहरों की सफाई, पिचिंग, बोल्डर टो, पाल का पुनर्निर्माण, स्लूस गेट और घाटों की मरम्मत ने जल प्रवाह को निर्बाध बनाया। इन कार्यों ने जल संग्रहण क्षमता में वृद्धि, भूजल पुनर्भरण को प्रोत्साहन, मृदा क्षरण में कमी और जल संरचनाओं की दीर्घकालिक स्थायित्व को सुनिश्चित किया गया। अभियान के अंतर्गत नहरों की सफाई तथा नहरों को शासकीय संपत्ति के रूप में चिह्नित करने और किलोमीटर स्टोन स्थापित करने से जल प्रबंधन पारदर्शी और व्यवस्थित हुआ, जिससे अतिक्रमण हटा और अवैध जल उपयोग में कमी आई। ऐतिहासिक जल संरचनाओं के अंतर्गत 300 वर्ष पुरानी माता अहिल्या बावड़ी का जीर्णोद्धार, कनाडिया तालाब और रतनतलाई तालाब का सौंदर्गीकरण और टिगरिया गोगा बैराज का भूमिपूजन इत्यादि इस अभियान की सफलता के प्रतीक हैं। अभियान में जनसहभागिता से केरवा बांध की सफाई, विदिशा के जमवार तालाब में श्रमदान और रामनगर में बच्चों के साथ जल संरक्षण पर विचार-विमर्श जैसे कार्यों ने समुदाय में स्वामित्व और जिम्मेदारी की भावना को प्रबल किया।

मुख्यमंत्री कल करेंगे रियल एस्टेट, होटल इंडस्ट्री एवं टूरिज्म सेक्टर के निवेशकों से संवाद

-इंदौर में होगा मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव का आयोजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 11 जुलाई को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर में मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव में होटल इंडस्ट्री, पर्यटन, रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों के निवेशकों से संवाद करेंगे। इस उच्चस्तरीय आयोजन में देशभर के संबंधित सेक्टर्स के निवेशकों, उद्योगपतियों, कॉर्पोरेट प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। कॉन्क्लेव में देशभर से 1500 से अधिक उद्योगपति, रियल एस्टेट, होटल इंडस्ट्री और टूरिज्म सेक्टर से जुड़े प्रतिनिधि, निवेशक आदि शामिल होंगे। आयोजन के दौरान एक भव्य प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। आयोजन में क्रेडाई, होटल इंडस्ट्री, टूरिज्म, नगर निगम, आईडीए, स्मार्ट सिटी, मैट्रो, हुडको, एलआईसी, हाउसिंग बोर्ड आदि की व्यापक भागीदारी रहेगी। प्रदर्शनी में इनसे संबंधित योजनाएं व प्रोजेक्ट्स प्रदर्शित किए जाएंगे। यह कॉन्क्लेव प्रदेश में शहरी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। आयोजन से इंदौर और मध्यप्रदेश को निवेश का नया आयाम मिलेगा।

निवेश और विकास के प्रमुख क्षेत्र

प्रदेश में विकास और निवेश शहरी परिवहन (मेट्रो, ई-बस, मल्टीमॉडल हब), किफायती आवास, स्लम पुनर्विकास, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, जलापूर्ति, सीवेज नेटवर्क, झील संरक्षण, डिजिटलीकरण, ई-गवर्नेंस, भवन स्वीकृति प्रणाली और स्वच्छ ऊर्जा, हरित भवन, रिन्यूएबल इनफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। निवेशक इन क्षेत्रों में निवेश कर भविष्य में होने वाले लाभ के सहभागी हो सकते हैं।

हाउसिंग सेक्टर में बेहतर निवेश की संभावना

प्रदेश में हाउसिंग सेक्टर में निवेश की अच्छी संभावना है। अफोर्डेबल हाउसिंग में 8 लाख 32 हजार से अधिक किफायती आवास तैयार किये जा चुके है। प्रदेश में 10 लाख नए आवास तैयार किये जा रहे है। इनमें 50 हजार करोड़ रूपये का निवेश होगा। रियल इस्टेट की योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये प्रदेश में मानव संसाधन की गुणवत्तापूर्ण वर्क फोर्स उपलब्ध है। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में 6 हजार किलोमीटर सड़क, 80 प्रतिशत शहरी क्षेत्र में पाइपलाइन वाटर सप्लाई कवरेज की सुविधा और शत प्रतिशत शहरी क्षेत्र सीवरेज सिस्टम उपलब्ध है। नगरीय क्षेत्रों में स्थानीय निकायों में 23 सेवाएं ऑनलाइन डिजिटल प्लेटफार्म पर उपलब्ध कराई गई है। नगरीय निकायों में सेन्ट्रलाइज पोर्टल के माध्यम से मंजूरी दी जा रही है। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी 17 हजार 230 योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है। शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ पर्यावरण के लिये 2 हजार 800 करोड़ और वॉटर फ्रंट से संबंधित डेव्हलपमेंट में 2 हजार करोड़ रूपये की परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में शहरी क्षेत्रों में सुगम परिवहन व्यवस्था के विस्तार के लिये 21 हजार करोड़ रूपये की परियोजनाएं संचालित हैं। वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और पेट्रोलियम ईंधन के कार्बन फुट-फ्रंट रोकने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रदेश के बड़े शहरों में 552 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू किया जा रहा है। प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने के लिए इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी-2025 लागू की गई है।

सीएम का जोधपुर में उद्यमियों से संवाद निवेश के लिए मप्र आने का दिया न्योता

भोपाल। राजस्थान के जोधपुर प्रवास के दौरान मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने फर्नीचर, टिंबर और होटल व्यवसाय से जुड़े उद्यमियों से मुलाकात कर उन्हें मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेश की असीम संभावनाएं हैं और यहां की समृद्ध वन संपदा, विशेष रूप से सागौन के जंगल, फर्नीचर उद्योग को नई ऊंचाई दे सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण और संसाधनों की भरमार है। हम चाहते हैं कि राजस्थान और मध्यप्रदेश मिलकर इस क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करें। मुख्यमंत्री ने बताया कि हाल ही में भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के दौरान 18 नवीन औद्योगिक नीतियों की घोषणा की गई है। इन नीतियों में निवेशकों के लिए आकर्षक प्रोत्साहन, रियायती भूमि आवंटन, टैक्स में छूट और तेज़ी से अनुमोदन की प्रक्रिया शामिल है। उन्होंने कहा कि देशभर के उद्यमी इन योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। डॉ. यादव ने यह भी बताया कि मध्यप्रदेश में निजी क्षेत्र को चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। पहले जहां राज्य में मात्र 5 मेडिकल कॉलेज थे, अब इनकी संख्या बढ़कर 36 हो गई है और अगले दो वर्षों में यह संख्या 50 पार करने की ओर है। मुख्यमंत्री ने उपस्थित उद्योगपतियों से आह्वान किया कि वे मध्यप्रदेश में अपने उद्योग स्थापित करें। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार हर स्तर पर उनका सहयोग करेगी। उन्होंने उद्योग और रोजगार वर्ष 2025 के अंतर्गत अब तक आयोजित विभिन्न कॉन्क्लेव, रोड शो और निवेशकों के साथ हुई चर्चाओं की जानकारी भी साझा की। इस मौके पर राजस्थान के कई उद्यमियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष सुझाव भी रखे और मध्यप्रदेश में संभावित निवेश पर रुचि व्यक्त की।

सीडीएससीओ ने 17 खतरनाक दवाइयों की लिस्ट जारी की, इन्हें एक्सपायरी के बाद नष्ट करना ही जरूरी

नई दिल्ली। एक्सपायरी डेट के बाद कई दवाइयों का यदि गलती से उपयोग भी कर लिया जाए, तो वे नुकसान नहीं करती। लेकिन, कुछ ऐसी दवाइयां भी है जो एक्सपायरी डेट के बाद जहर की तरह असर करती है। एक बात यह भी इन दवाइयों का उपयोग उसी व्यक्ति के लिए निर्धारित किया जाता है, जिसे उसकी जरूरत है, अन्य किसी को ये बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचा सकती है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने 17 दवाइयों की एक सूची बनाई है, जिनके बारे में कहा गया कि अगर उनकी एक्सपायरी डेट समाप्त हो गई या उनका उपयोग नहीं किया गया तो इन्हें खुले में फेंकने के बजाय शौचालय में फ्लश कर देना चाहिए। इसलिए कि घर के लोगों और पालतू जानवरों को इससे होने वाले नुकसान से बचाया जाए। दवा नियामक संस्था ने कहा कि सूची में ट्रामाडोल, टेपेंटाडोल, डायजेपाम, आक्सीकोडोन और फेंटेनाइल जैसी दवाएं शामिल हैं, जो विशेष रूप से हानिकारक हो सकती हैं। कुछ मामलों में तो उनकी सिर्फ एक खुराक भी बहुत घातक हो सकती है। जिस व्यक्ति के लिए दवा निर्धारित की गई, अगर उसके अलावा इन दवाइयों का उपयोग किसी अन्य व्यक्ति द्वारा किया जाता है, तो यह बेहद घातक हो सकता है। इनमें से अधिकांश दवाइयों का उपयोग दर्द, बेचैनी और अन्य स्थितियों को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। सीडीएससीओ ने एक्सपायर्ड/अनुपयोगी दवाओं को लेकर अपने 'मार्गदर्शन दस्तावेज' में कहा कि पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए एक्सपायर्ड या अप्रयुक्त दवाओं का सुरक्षित और उचित निपटान महत्वपूर्ण है। इन दवाओं की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावकारिता सुनिश्चित करना एक महत्वपूर्ण पहलू है। यह हेल्थकेयर से जुड़े पेशेवर और अन्य हितधारकों सहित सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में भरोसे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान देता है। मार्गदर्शन दस्तावेज में कहा गया है कि एक्सपायर हो चुकी या अनुपयोगी दवाइयों का अनुचित तरीके से निपटान सार्वजनिक स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए खतरनाक हो सकता है। एक्सपायर हो चुकी दवाइयों से तात्पर्य उन दवाओं से है जिनकी लेबल पर लिखी समाप्ति तिथि बीत चुकी है। दस्तावेज में यह भी कहा गया है कि इसके अलावा अप्रयुक्त दवाओं से तात्पर्य उन दवाओं से है जिनका उपयोग उस व्यक्ति की ओर से नहीं किया गया है जिसके लिए उन्हें निर्धारित किया गया था या खरीदा गया था।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ ने युवाओं के लिए लॉन्च किया मार्केट-लिंक्ड प्रोडक्ट

भोपाल। जून 2025आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने आईसीआईसीआई प्रू स्मार्ट इंश्योरेंस प्लान प्लस लॉन्च किया है। यह एक मार्केट-लिंक्ड प्रोडक्ट है, जिसे ग्राहकों को दीर्घकालिक रूप से संपत्ति बनाने में मदद करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इस प्रोडक्ट को सिर्फ 1000 रुपए की मासिक प्रीमियम पर खरीदा जा सकता है। इससे युवा ग्राहक आसानी से नियमित निवेश कर सकते हैं और अपने लंबे समय के वित्तीय लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। इसमें जीवन बीमा का लाभ भी शामिल है, जिससे ग्राहक के न रहने पर उसके परिवार को आर्थिक सुरक्षा मिलती है। श्री अमित पालटा, चीफ प्रोडक्ट एंड डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस, ने कहा, भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और मॉर्गन स्टेनली के अनुसार 2028 तक यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। देश की इस विकास यात्रा की कमान युवाओं के हाथ में है, जो कि कुल जनसंख्या का लगभग 65त्न हिस्सा हैं। यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान्स (यूलिप) संपत्ति निर्माण का एक प्रभावशाली माध्यम हैं। युवा वर्ग को जल्दी निवेश शुरू करने और लंबे समय तक जुड़े रहने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से हमने आईसीआईसीआई प्रू स्मार्ट इंश्योरेंस प्लान प्लस लॉन्च किया है। यह एक किफायती और टैक्स-एफिशिएंट प्रोडक्ट है, जिसमें युवा सिर्फ 1000 रुपए प्रतिमाह की राशि से निवेश शुरू कर सकते हैं।

अलाइड इंजीनियरिंग वर्क्स लिमिटेड ने सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई । टेक्नोलॉजी-ड्रिवन सॉल्यूशंस प्रोवाइडर कंपनी अलाइड इंजीनियरिंग वर्क्स लिमिटेड ने मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल कर दिया है। यह कंपनी पूरे भारत में स्मार्ट मीटरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर लागू करने और यूटिलिटी डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम की एफिशिएंसी बढ़ाने के लिए यूटिलिटीज की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने पर फोकस करती है।कंपनी आईपीओ के जरिये इक्विटी शेयर कैपिटल ऑफर करके फंड जुटाने की प्लानिंग कर रही है। इस इश्यू में 4,000 मिलियन तक के नए इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू और 5 फेस वैल्यू वाले 7,500,000 इक्विटी शेयरों तक का ऑफर फॉर सेल शामिल है।

सेंट्रल इंडिया में पहली बार कोकिलाबेन अस्पताल, इंदौर द्वारा नई तकनीक से की गई दर्द रहित व निशान मुक्त अम्बिलिकल हर्निया की सर्जरी

इंदौर। सेंट्रल इंडिया में पहली बार पेट से जुड़ी बीमारी हर्निया की नई तकनीक के जरिए सर्जरी करने में बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। नाभि (अम्बिलिकल) और उदर (वेंट्रल) हर्निया के मरीजों के लिए की जाने वाली इस अत्याधुनिक सर्जरी को कहा जाता है, जिसे इंदौर स्थित कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल द्वारा सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया है। हर्निया आमतौर पेट से जुड़ी एक बीमारी है। इस बीमारी में मरीज के पेट या किसी अन्य अंग या ऊतक का हिस्सा पेट की मांसपेशियों की कमजोर परत से बाहर निकल आता है। अम्बिलिकल हर्निया विशेष रूप से नाभि के पास होता है और अक्सर पेट में भारीपन, सूजन या दर्द के रूप में महसूस होता है। यह समस्या आमतौर पर ऐसे मरीजों में ज्यादा देखी जाती है, जिनकी पहले भी सर्जरी हो चुकी होती है या जिनका वजन बहुत अधिक बढ़ जाता है या घट जाता है। इसके अलावा जिन्हें किसी भी कारण पेट में दबाव बना रहता है जैसे- खांसी, कब्ज, पेशाब करने में तकलीफ, प्रेग्नेंसी या पेट में दबाव देने वाले व्यायाम करना इत्यादि।

2 करोड़ के बीमे के लिए अपने ही दोस्त को जिंदा जला दिया

चित्रकूट। चित्रकूट में हाल ही में सामने आए बीमा फ्रॉड और हत्या के मामले ने सबको चौंका दिया। यह कहानी है इंसानी लालच, शातिर साजिश और पुलिस के अन्वेषण की- जिसमें एक शख्स ने दो करोड़ रुपये के बीमे के लिए अपने ही दोस्त को जिंदा जला दिया।

30 जून की रात राजापुर थाना क्षेत्र में एक जली हुई कार से अधजला शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान सुनील सिंह के रूप में हुई और उसकी पत्नी हेमा ने अंतिम संस्कार भी करवा दिया। पुलिस को शुरुआत से ही मामले में कुछ गड़बड़ लगी,- शव की हालत, मौके से मिली चूड़ियां और सुनील के बेटे का डीएनए सैंपल जांच में लिया गया।

साजिश का पर्दाफाशः- पुलिस की जांच में बड़ा ट्विस्ट आया जब सुनील सिंह एमपी के रीवा में अपने साढू के घर जिंदा मिला। पूछताछ में सुनील ने कबूल किया कि उस पर 40 लाख का कर्ज था। कर्ज से उबरने के लिए उसने अक्टूबर 2024 में दो करोड़ का बीमा कराया और फिर यूट्यूब-क्राइम सीरियल्स देखकर साजिश रची।

हत्या की प्लानिंगः- सुनील ने एक ऐसे व्यक्ति की तलाश की, जिसका कोई परिवार न हो। शराब की दुकान पर विनय सिंह से दोस्ती की, रोज शराब पिलाई और वारदात वाली रात नशे में बेसुध कर कार में जिंदा जला दिया। पत्नी हेमा भी इस साजिश में शामिल थी। उसने शव की पहचान अपने पति के रूप में कर बीमा क्लेम की तैयारी कर ली थी।

पुलिस की सतर्कताः पुलिस ने डीएनए जांच, सबूतों और मुखबिर की सूचना से पूरे मामले

का 7 दिन में खुलासा कर दिया। असलियत सामने आते ही सुनील और हेमा दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। मृतक की पहचान विनय सिंह के रूप में हुई, जो निर्दोष था और सिर्फ दोस्ती का शिकार बन गया।पुलिस ने बताया कि सुनील सिंह और हेमा सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। केस भारतीय न्याय संहिता (ब्नहस्) के तहत दर्ज किया गया है, जिसमें हत्या, धोखाधड़ी और बीमा फ्रॉड से जुड़ी अन्य धाराएं शामिल हैं।

पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, डीएनए रिपोर्ट और वीडियो रिकॉर्डिंग को केस में शामिल किया है। जल्द ही चार्जशीट दाखिल कर कोर्ट में तेज़ ट्रायल की प्रक्रिया शुरू होगी।

सिर्फ खरीदारी मत कीजिए, इस प्राइम डे को अमेजन पे के साथ बनाइए और भी स्मार्ट

प्राइम डे 2025 बस आने ही वाला है, 12 जुलाई से 14 जुलाई 2025 तक चलने वाला यह उत्सव इस बार पहले से भी बड़ा और बेहतर है, जिसमें 72 घंटों तक एक्सक्लूसिव डील्स, नए लॉन्च और ब्लॉकबस्टर एंटरटेनमेंट का धमाका होगा। लेकिन अगर आप एक स्मार्ट शॉपिंग करने वाले ग्राहक हैं, तो आप जानते हैं कि एक अच्छा सौदा सिर्फ ऑफर तक ही सीमित नहीं होता, खासकर जब आप अमेजन पे का इस्तेमाल करते हैं। फिर चाहे बात हो यात्रा की, महंगी ख़रीदारी की, रोजमर्रा की ज़रूरतों की या गिफ्ट कार्ड्स की इस प्राइम डे पर जानिए कैसे आप हर रुपये का ज़्यादा से ज़्यादा फायदा उठा सकते हैं और अधिकतम वैल्यू अनलॉक कर सकते हैं। हर बड़ी खरीद को बनाएं और भी फायदेमंद- अगर आप प्राइम डे के दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स, होम अप्लायंसेज़ या फैशन खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो अमेजन पे आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड से पेमेंट करना आपके लिए वाकई फायदेमंद साबित हो सकता है। प्राइम मेंबर्स को हमेशा मिलने वाला 5त्न कैशबैक तो है ही, लेकिन प्राइम डे पर उन्हें अतिरिक्त 5त्न इंस्टेंट कैशबैक भी मिलेगा जिससे पहले से ही शानदार डील्स और भी बेहतर हो जाएंगी।

मुबीन खान अमरवाड़ा के प्रभारी सीएमओ

छिंदवाड़ा। हर्रई में पदस्थ सहायक ग्रेड एक मुबीन खान नगर पालिका अमरवाड़ा के प्रभारी सी.एम.ओ बनाये गये है। मुबीन खान सी.एम.ओ का आदेश सयुक्त संचालक जबलपुर ने दिये।

सांसद के प्रायासों से मिलेगी पर्याप्त खाद

छिन्दवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू पिछले दिनों छिन्दवाड़ा से खण्डवा तक की 13 दिवसीय पदयात्रा पर थे। इस दौरान जिले के किसानों ने उन्हे व्यक्तिगत मुलाकात एवं मोबाईल पर सम्पर्क करते हुये जिले के किसानों को पर्याप्त मात्रा में यूरिया खाद नही मिलने और यूरिया खाद के वितरण में असमानता होने की शिकायत की थी। जिसे गंभीरता से लेते हुए अपनी पदयात्रा के दौरान ही उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना से संपर्क कर किसानों को हो रही यूरिया खाद की समस्या से अवगत कराते हुये जिले में तत्काल ही यूरिया खाद की आपूर्ति करने का निवेदन किया था। सांसद बंटी विवेक साहू द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना को यूरिया खाद की समस्या से अवगत कराने पर उन्होंने जिले के किसानों के लिए तत्काल ही यूरिया खाद की तीन रैक भेजने के आदेश दे दिये है। अगले एक सप्ताह में यूरिया खाद की तीनों रैक छिन्दवाड़ा पहुंच जायेगी। किसानों को यूरिया खाद उपलब्ध हो जाने से उन्हे होने वाली यूरिया खाद की दिक्कत दूर हो सकेगी। उल्लेखनीय है कि जिले में किसानों द्वारा खेतों में बोनी कर दी गई है। अब किसानों को यूरिया खाद की अत्याधिक जरूरत पड़ रही है। जिले के लिए तीन रैक मिल जाने से अब जल्द ही किसानों को यूरिया खाद उपलब्ध हो सकेगी।

नये विद्युत कनेक्शन देने में विधुत विभाग कर रहा आनाकानी

छिंदवाड़ा। म. प्र. पू. क्षे. वि. वि. कं. लि. ने नये विधुत कनेक्शन के लिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया का प्रावधान तो किया है जिसके तहत् दावा किया जाता है कि उपभोक्ता घर बैठे आवेदन कर सकता है परंतु हकीकत में बिजली विभाग के दफ्तरों में नये कनेक्शन के लिये मैन्युअली आवेदन देने के लिए दबाव डाला जाता है तथा उपभोक्ताओं को नियमों व अन्य दस्तावेज के नाम प्रताड़ित किया जाता है। उक्त आशय के आरोप जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से लगाते हुए जिला कांग्रेस बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ अध्यक्ष मुकेश उपाध्याय ने बताया कि विधुत वितरण कंपनी के नियमानुसार यदि कोई उपभोक्ता नया घरेलू कनेक्शन लेना चाहता है तो उसे केवल चार दस्तावेज मकान का स्वामित्व प्रमाण, आधार कार्ड, बैंक पासबुक एवं टेस्ट रिपोर्ट के साथ आनलाइन आवेदन करना होता है कंपनी के नियमों के मुताबिक़ तीन कार्य दिवस के भीतर बिजली कनेक्शन प्रदाय करना अनिवार्य है।तय प्रावधानों के विपरीत विभागीय अधिकारी व कर्मचारी कंपनी के नियमों को ताक पर रख कर उपभोक्ताओं को दफ़्तर के चक्कर लगवाकर विधुत कनेक्शन प्रदान करने में आनाकानी करते हैं।

गुरु पूर्णिमा उत्सव में गुरुओं का करेंगे सम्मान

छिंदवाड़ा। इस वर्ष श्री गुरु पूर्णिमा उत्सव 10 जुलाई, गुरुवार, आषाढ़ पूर्णिमा को मनाया जा रहा है। श्री गुरु पूर्णिमा एक ऐसा दिन है जब हमारे देश एवं संस्कृति में सभी क्षेत्रों के गुरुओं का सम्मान किया जाता है। श्री गुरु पूर्णिमा उत्सव को भाजपा परम्परागत रूप से मनाएगी। भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने श्री गुरु पूर्णिमा उत्सव को परंपरागत रूप से मनाने के लिए किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष संजय पटेल को जिला संयोजक एवं भारत घई को जिला सहसंयोजक नियुक्त किया है। कार्यक्रम के संयोजक संजय पटेल ने बताया कि भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव के निर्देशन में संपूर्ण जिले में भाजपा के प्रदेश और जिला स्तर के नेताओं तथा सभी निर्वाचित प्रतिनिधि सभी पंथों के साधु संतों विशेषकर वंचित वर्गों के साधु-संतों, स्कूल और कॉलेज के पुरस्कृत शिक्षकों, पारंपरिक कला एवं संस्कृति क्षेत्र और मार्शल आर्ट के सभी गुरुओं से मिलकर माला, फल और वस्त्र देकर कर पारंपरिक रूप से सम्मान करेंगे। उन्होंने बताया कि इस सम्मान कार्यक्रम में परिवारों में आयु, परंपरा एवं संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए उपयुक्त व्यवस्थाएं की जाएंगी। उन्होंने बताया कि इस दौरान एक छोटा, अनौपचारिक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा जिसमें स्मृतियों को साझा करना, सम्मान अर्पित करना, गीत एवं भजन शामिल होंगे।

प्राथमिक शाला बीजाढाना में पदस्थ प्राथमिक शिक्षक निलंबित

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह द्वारा विकासखंड जुन्नारदेव की प्राथमिक शाला निमोटी संकुल केन्द्र घानाउमरी के सहायक शिक्षक श्री छबीराम यदुवंशी को दो से अधिक संतान होने व शासकीय भवन किराये से देने संबंधी जानकारी विभाग से छुपाई जाने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि विकासखंड जुन्नारदेव की प्राथमिक शाला निमोटी संकुल केन्द्र घानाउमरी के सहायक शिक्षक श्री छबीराम यदुवंशी के विरूद्ध कलेक्टर महोदय को जनसुनवाई में शिकायत क्रमांक 512997, 545782 प्रेषित कर लेख किया गया कि सहायक शिक्षक यदुवंशी की दो से अधिक संतान होते हुए उनके द्वारा जानकारी छुपाई गई, इनके द्वारा शासकीय भवन को किराया से दिया गया एवं न्यायालय माननीय अपर सत्र न्यायाधीश जुन्नारदेव द्वारा प्रकरण क्रमांक 48/2015 में सहायक शिक्षक श्री यदुवंशी को 500 रूपये अर्थदण्ड दिया गया, जिसकी जानकारी इनके द्वारा विभाग से छुपायी गई है। यह शिकायत प्रथम दृष्ट्या सही पायी गई।

जामई में हुई बीएलए की नियुक्ति को लेकर बैठक

छिन्दवाड़ा। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं पूर्व सांसद नकुलनाथ के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय पर बूथ स्तर के पदाधिकारी की नियुक्ति को लेकर हुई महत्वपूर्ण बैठकों के उपरांत अब विधानसभा स्तर पर भी बीएलए की तैनाती को लेकर कांग्रेस का विशेष अभियान जारी है जिसके तहत जामई विधानसभा में आवश्यक बैठक हुई। जामई में आयोजित बैठक को सम्बोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे ने कहा कि बूथ स्तर के पदाधिकारी की नियुक्ति अहम है, क्योंकि सम्पूर्ण चुनाव में उन्हीं के कांधों पर जवाबदारी होती है। उन्होंने कांग्रेस के समस्त उपस्थित पदाधिकारियों से कहा कि बीएलए की नियुक्ति करते समय संगठन, समय व अनुभव का विशेष ध्यान रखें। जिसके पास संगठन के लिए समय हो साथ ही अनुभव भी हो, क्योंकि बीएलए के पास उनके बूथ के नवीन मतदाताओं के नाम जोड़ने अथवा मृत मतदाताओं के नाम काटने की जिम्मेदारी है।

अतिक्रमण पर सतत् निगरानी रखें : कलेक्टर

कलेक्टर की अध्यक्षता में नगरीय निकायों की समीक्षा बैठक

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के मिनी सभाकक्ष में जिले के सभी नगरीय निकायों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, राजस्व वसूली, स्वच्छ भारत मिशन, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन सहित अन्य योजनाओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। बैठक में नगरपालिक निगम कमिश्नर सीपी राय, नगर निगम के सहायक यंत्री सहित सभी नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं उपयंत्री उपस्थित रहे।

अमृत हरित अभियान के अंतर्गत पौधरोपण के दिये निर्देश - कलेक्टर सिंह ने अमृत हरित अभियान के अंतर्गत किए जाने वाले पौधारोपण की समीक्षा करते हुए कहा कि पौधे ऐसे स्थानों पर लगाए जाएं जहाँ उनका संरक्षण किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल औपचारिकता के लिए पौधरोपण न किया जाए। ऐसे स्थानों का चयन किया जाए, जहां बाद में पौधों को हटाना न पड़े। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल नाम के लिए नहीं होना चाहिए, बल्कि पौधों को बचाने योग्य स्थिति में रोपण किया जाए।

अतिक्रमण के मामलों में लगातार कार्रवाई के निर्देश : कलेक्टर श्री सिंह ने अतिक्रमण के मामलों में सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर अतिक्रमण हटाने के कुछ दिनों बाद पुनः अतिक्रमण कर लिया जाता है, जो चिंताजनक है। ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्तियों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

कार्य में लापरवाही पर ठेकेदारों के विरुद्ध होगी कार्रवाई

बैठक में यह भी सामने आया कि कुछ कार्यों में ठेकेदार रुचि नहीं ले रहे हैं, जिससे कार्यों में देरी हो रही है। कलेक्टर सिंह ने निर्देश दिए कि ऐसे ठेकेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि प्रगतिरत कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया जाए, क्योंकि विलंब से शासन एवं आमजन दोनों को नुकसान होता है।

पीएम आवास योजना में हर्रई सीएमओ का वेतनरोकने के दिये निर्देश

प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान हर्रई नगरीय निकाय की प्रगति असंतोषजनक पाए जाने पर कलेक्टर सिंह ने संबंधित मुख्य नगरपालिका अधिकारी का वेतन रोके जाने के निर्देश दिए। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 अंतर्गत शेष सत्यापन कार्य को आगामी तीन दिवस में पूर्ण करने के निर्देश सभी निकायों को दिए गए।

समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश: कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सभी नगरीय निकाय अपने क्षेत्र में प्रगतिरत कार्यों को तय समय-सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि लापरवाही या विलंब की स्थिति में संबंधित एजेंसी एवं अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

अभावि विद्यार्थी परिषद ने किया प्रतिभाओं का सम्मान

मनाया 77 वां स्थापना दिवस

छिंदवाड़ा। विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन जो पिछले सात दशकों से छात्र हित एवं राष्ट्र हित में कार्य करते आ रहे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 77 वां स्थापना दिवस जिससे सम्पूर्ण भारत वर्ष में राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के रूप में मनाया है। एबीवीपी का उद्देश्य छात्रों को राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनाना है और छात्रों के व्यक्तिगत और सामूहिक विकास के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। एबीवीपी छात्रों के बीच राष्ट्रवाद और देशभक्ति की भावना का विकास करता है और सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करता है। ए बी वी पी छात्रों की समस्याओं को सरकार और प्रशासन तक पहुँचाता है और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रयास करता है। विद्यार्थी परिषद के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में अभाविप छिंदवाड़ा नगर इकाई द्वारा 9 जुलाई को छिंदवाड़ा स्थित राजमाता सिंधिया शासकीय कन्या महाविद्यालय में प्रतिभा सम्मान समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन किया गया । जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में राजा शंकरशाह विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा के कुलगुरु प्रोफेसर इंद्र प्रसाद त्रिपाठी एवं अभाविप महाकोशल प्रांत के प्रांत संगठन मंत्री मनोज यादव उपस्थित रहे। सशक्त, समृद्ध व ज्ञान से युक्त राष्ट्र बनाने में सभी अपनी अपनी सहभागिता सुनिस्चित करे एवं उसके पश्चात अभाविप महाकोशल प्रांत के प्रांत संगठन मंत्री मनोज यादव ने अपने उद्बोधन के माध्यम से विद्यार्थी परिषद की 7 दशकों की ध्येय यात्रा से जन मानस को अवगत करा और कहा कि विद्यार्थी परिषद एक वैचारिक छात्र आंदोलन है यह राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के ध्येय के निरंतर कार्य करते आ रहे हैं।

डा.रानी साहू बनी नगर अध्यक्ष : निर्वाचन अधिकारी द्वारा सत्र 2024-25 की नगर कार्यकारिणी को भंग कर सत्र 2025-26 के लिए अभाविप छिंदवाड़ा नगर की नवीन कार्यकारिणी की की घोषणा की जिसमे नगर अध्यक्ष के रूप में डॉ . रानी साहू एवं नगर मंत्री के रूप में कुणाल निखाडे निर्वाचित हुए। नगर सहमंत्री निधि राय , शिवानी मंडराह ,विनयं सिंह उईके, सचिन सेरके,गगन मानकर, जय सोलंकी को बनाया गया ।

गुरु की आराधना का दिवस गुरुपूर्णिमा

श्री केसरीनंदन हनुमान मंदिर में विश्व गुरू श्री हनुमान जी करेंगे जन सुनवाई आज गुरूपूर्णिमा पर होगा विशाल भंडारा

छिंदवाड़ा। राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त कर चुके नारियल वाले हनुमान जी के नाम से देश सहित विश्व में पहचान बना चुका अयोध्या के बाद द्वितीय पूर्वमुखी हनुमान मंदिर (ट्रस्ट्र) तिलक मार्केट तिराहा, स्टेशन रोड वार्ड नंबर 14, छिंदवाड़ा में स्थित केसरीनंदन हनुमान मंदिर में प्रति मंगलवार एवं शनिवार को भंडारे का आयोजन किया जाता है, साथ इस मंदिर में वर्षो से सैंकड़ों श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूर्ण करने के लिये मंदिर परिसर में नारियल बांधते आ रहे हैं । मंदिर मुख्य पुजारी एवं सेवादार और ट्रस्ट उपाध्यक्ष अनिल मालवी ने बताया कि आज 10 जुलाई दिन गुरूवार को गुरूपूर्णिमा के पावन पर्व श्री केसरीनंदन हनुमान मंदिर परिसर में प्रथम विश्व गुरू श्री हनुमान जी का पूजन अर्चन, हवन एवं चालीसा पाठ, सुंदरकाण्ड पूर्ण विधि विधान के साथ पंडित अर्पित पाण्डे द्वारा कराया गया जायेगा पश्चात गुरू पादुका पूजन किया जायेगा एवं तत्पश्चात् जन सहयोग विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है । इसी क्रम में रात्रि 8.30 बजे महाआरती का आयोजन किया गया है । पंडित अर्पित पाण्डे, मीडिया प्रभारी शिरीष दुबे, समीर सोनी सहित समस्त मंदिर समिति पदाधिकारियों एवं सदस्यगणों ने समस्त नगर वासियों से अपील की है इस पावन अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पुण्य लाभ लें ।

गणेश मंदिर बिछुआ में गुरु पूर्णिमा पर समिति द्वारा बांटे जायेंगे 500 पौधे

बिछुआ। नगर के माता मां चौक स्थित गणेश मंदिर में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी गुरु पूर्णिमा महोत्सव का पर्व धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। जिसको लेकर मंदिर समिति के द्वारा तैयारियां पूर्ण कर ली गई। गणेश मंदिर सेवा समिति बिछुआ के सचिव उमेश साहू ने बताया की महामंडलेश्वर डॉ वैभव अलोणी के सानिध्य में गुरु पूर्णिमा पर्व पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। 10 जुलाई को प्रातः 9 बजे से श्री मंगल मूर्ति एवं बाबा महाराज का अभिषेक, पूजा अर्चना के बाद गुरू दीक्षा के उपरांत हवन पूजन के साथ भंडारे में महाप्रसादी वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन होंगा।

समिति के द्वारा बांटे जाएंगे 500 पौधें - श्री अलोणी महाराज सेवा संस्थान की गणेश मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष संजय चिंचोले ने बताया की इस वर्ष समिति के द्वारा प्रकृति संरक्षण के उद्देश्य से 500 पौधें वितरित किए जाएंगे। जिसमें आंवला, जामुन, आम, कटहल, अशोक, समी समेत अन्य फलदार एवं छायादार पौधों का समावेश है। बता दें कि संस्था के द्वारा पिछले 4 वर्षो से लगातार प्रकृति को बचाने के लिए पौधें वितरित कर आम जन मानस को प्रकृति संतुलन बनाने में योगदान देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। समिति ने धर्मप्रेमियों से महोत्सव में शामिल होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

श्री दादाजी दरबार शंभुधाम नेर में विशाल भंडारा एवं महाप्रसाद वितरण

अमरवाड़ा। श्री दादाजी दरबार शंभुधाम नेर में धूमधाम से मनाया जाएगा विशाल सत्ता एवं गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर्व श्री दादाजी धुनीवाले खंडवा श्री जाम सांवली वाले हनुमान जी महाराज श्री दादाजी धुनीवाले आंचलकुंड धाम जी के आशीर्वाद से छिंदवाड़ा जिले के श्री दादाजी दरबार शंभुधाम- नेर में प्रतिवर्षनुसार इस वर्ष भी श्री दादाजी दरबार शंभुधाम- नेर में विशाल सत्ता एवं गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर्व में आयोजक-समस्त ग्रामवासी-नेर एवं क्षेत्रवासी आप सभी भक्तगण सादर आमंत्रित है आज गुरुवार को दोपहर- 12 बजे हवन पूजन एवं दादाजी की आरती होगी उसके बाद दोपहर- 1 बजे विशाल भंडारा एवं महाप्रसाद वितरण होगा।

गुरुपूर्णिमा महोत्सव पर हुआ शिवलिंग निर्माण

छिन्दवाड़ा। गुरूपूर्णिमा महोत्सव के पावन अवसर पर जिला शिवसेना कार्यालय गुलाबरा में पाथेश्वर शिवलिंग का निर्माण निरंतर जारी है गुरूपूर्णिमा पर्व पर गुरूदेव श्री 108 गोवर्धन पटेल जी एवं गुरू माताजी की विधिवत पूजन पश्चात् सीताराम कीर्तन के साथ गुरूपूर्णिमा महोत्सव मनाया जायेगा। शिवसेना नेता नितिन राय ने कहा कि विगत कई वर्षो से गुरूपूर्णिमा पर पाथेश्वर शिवलिंग का निर्माण किया जा रहा है नगर एवं जिले की धर्मप्रेमी जनता से शिवसेना ने गुरूपूर्णिमा महोत्सव को सफल बनाने की अपील की है।

आज होगी अष्टान्हिका महापर्व की पूर्णता

कल मनेगा श्री वीर शासन जयंती महोत्सव

छिंदवाड़ा। आषाढ़ शुक्ल अष्टमी से प्रारंभ हुए जैन दर्शन के अनादि निधन शाश्वत महापर्व अष्टान्हिका की पूर्णता आज आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा गुरुवार के शुभ दिन होगी।जिनशासन सेवक दीपक राज जैन ने बताया कि आठ दिवसीय मंगल महोत्सव पर नगर के अहिंसा स्थली गोल गंज स्थित आदिनाथ दिगंबर जिनालय में दिगंबर जैन मुमुक्षु मंडल एवं अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन द्वारा प्रातः 7 बजे श्री जिनबिंब प्रक्षालन, 7.15 से जिनेन्द्र पूजन,नंदीश्वर दीप पूजन कर नंदीश्वर दीप बाबन पूजन विधान एवं विधान किया जावेगा।

कल मनेगा श्री वीर शासन जयंती महोत्सव

जैन ने बताया कि कल श्रावण वदि एकम शुक्रवार 11 जुलाई को तीर्थंकर महावीर भगवान का प्रथम धर्म उपदेश दिव्य ध्वनि प्रसारण का शुभ दिन श्री वीर शासन जयंती महोत्सव विविध अनुष्ठानों के साथ प्रातः 7 बजे से भक्ति भाव पूर्वक मनाया जावेगा जिसमें मंडल एवं फेडरेशन द्वारा सकल जैन समाज सहित धर्म प्रेमी बंधुओं से सम्मिलित होकर धर्म लाभ लेने की अपील की गई है।

कलेक्टर शीतला पटले ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया

नरसिंहपुर। कलेक्टर शीतला पटले ने बुधवार को जिले में हुई अतिवर्षा से बाढ़ प्रभावित क्षेत्र बेलखेड़ी में शेढ़ नदी का पुल, कठौतिया में तसला नाला और झांसीघाट का निरीक्षण किया। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि पुल के ऊपर से पानी बहने की स्थिति में या पुल क्षतिग्रस्त होने पर नदी-नाले पार न करें। कलेक्टर श्रीमती पटले ने कठौतिया में तसला नदी का पुल क्षतिग्रस्त होने पर वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाने के निर्देश दिये, जिससे किसी भी प्रकार की दुर्घटना न हो। उन्होंने इस अवसर पर मैदानी अमले को नियमित रूप से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों एवं नदी- नालों पर निगरानी रखने के निर्देश दिये। पुल-पुलियो के ऊपर से पानी जाने या क्षतिग्रस्त होने पर बैरीकेटिंग लगाने को कहा, जिससे कोई भी नागरिक पुल-पुलियो को पार न कर सकें। उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में नागरिकों की सुरक्षा हेतु पुलिस तथा मैदानी अमले को तैनात रहने को कहा। कलेक्टर श्रीमती पटले ने निर्देश दिये कि जिले में हो रही अतिवर्षा व नदी-नालों में बाढ़ की स्थिति होने पर तत्काल सूचना दें, जिससे जन-माल की सुरक्षा बनी रहे। उन्होंने मैदानी अमले को अतिवर्षा व बाढ़ की स्थिति पर लगातार निगरानी रखने को कहा। किसी भी प्रकार की घटना होने पर इसकी सूचना तत्काल देने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान जिला एवं जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

करेली तहसीलदार होंगे गौरीशंकर शर्मा कलेक्टर ने किया आदेश जारी

नरसिंहपुर, कलेक्टर शीतला पटले ने तहसीलदार श्री गौरीशंकर शर्मा को अस्थायी तौर पर आगामी आदेश तक तहसीलदार करेली के पद पर नियुक्त करने के आदेश जारी किये हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन के राजस्व विभाग के निर्देशानुसार तहसीलदार श्री गौरीशंकर शर्मा का स्थानांतरण जिला अनूपपुर से जिला नरसिंहपुर किया गया है। शासन के आदेश के परिपालन में तहसीलदार शर्मा द्वारा 7 जुलाई को पूर्वान्ह में अपनी उपस्थिति जिला कार्यालय में दिये जाने के फलस्वरूप उक्त आदेश जारी किया है।

कांग्रेस शासन के निर्माण मजबूत और टिकाऊ थे

आज भाजपा से निर्मित कार्य भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के चलते गुणवत्ताविहीन हैं: कांग्रेस

सिवनी। भाजपा के शासन में देश और प्रदेश में भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी के चलते गुणवत्ताविहीन निर्माण कार्य हो रहें है पुल हो या सड़क बनते ही गिर रहे है। अंग्रेजो के समय और कांग्रेस शासन के निर्माण आज भी बर्षो बाद भी यथावत स्थिति में मजबूती के साथ खड़े है, जबकि उस समय तकनीकि, मशीनरी संसाधन बहुत अधिक गुणवत्ता पूर्वक नही थी, लेकिन निर्माण कार्यो में ईमानदारी थी यही कारण है कि निर्माण कार्य टिकाउ थे। भाजपा के राज में अधिकारी, मंत्री, ठेकेदार जनता की मेहनत की कमाई दोनों हाथो से लूट रहें है जिसका खामियाजा देश की जनता को भुगतना पड़ रहा है। भाजपा पूरे देश में गुजरात मॉडल की बात करती है, गुजराज में ही अनेक निर्माणाधीन कार्य ध्वस्त हुए है गुजरात के मोरबी में मच्छु नदी पर बना पुल अचानक टूट गया जिसमें 135 लोगो की मृत्यु हो गई और अनेक लोगो गंभीर रूप से घायल हो गए, इसी तरह बडोदरा में महिसागर नदी पर बने पुल का बड़ा हिस्से के साथ अनेक वाहन नदी में गिर गए जिससे कि 9 लोगो की मृत्यु हो गई। मध्यप्रदेश के शिवपुरी में रेल्वे ओवरब्रिज का निर्माणधीन हिस्सा भर-भराकर जमीन पर गिर गया, भोपाल के ऐशबाग में 18 करोड़ की लागत से 8 वर्षो में तैयार किया गया रेलवे ओवरब्रिज 90 डिग्री के टर्न के चलते लोगो ने अनेक सवाल खडे किये है सोशल मीडिया पर मजाक उड़ा रहें है।

भारत माला परियोजना के अन्तर्गत बालाघाट से गोंदिया फोरलेन का निर्माण होते ही पहली बारिश में सड़के धसने लगी, भ्रष्टाचार के मामले में सिवनी जिला भी अछूता नही रहा केवलारी विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत निर्मित 2 पुल उद्घाटन के पूर्व ही बह गए। भाजपा के राज में घटिया निर्माण होने की प्रमुख वजह दोषियों पर कोई कार्यवाही नही होती, उनको भाजपा सरकार का पूर्ण संरक्षण रहता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय मंत्री पर उसी विभाग के अधिकारी द्वारा जलजीवन मिशन के तहत जारी फंड में 1000(एक हजार) करोड़ रूपये की घूसखोरी की शिकायत के बाद जांच शुरू की गई है। उसके बाद भी भाजपा सरकार ने उन्हें मंत्री पद से नही हटाया, मंत्री रहते हुए क्या निष्पक्ष जांच की उम्मीद की जा सकती है यही हाल सभी विभागों में है, भाजपा के मंत्री, नेता अधिकारियों के साथ मिलकर भारी भ्रष्टाचार कर रहें है यही कारण है कि विकास के नाम पर पूरे देश में घटिया निर्माण कार्य हो रहें।

सरपंच पर समाज से बष्हिकृत एवं जमीन पर कब्जा कराने का आरोप

पीड़ित भाई-बहन द्वारा की गई शिकायत, तालाब निर्माण को लेकर हुआ था विवाद

मण्डला। जिले के विकासखंड बीजाडांडी के ग्राम पंचायत लालपुर सरपंच कल्लू आर्मो व साथियों पर यहां के पोषक ग्राम खाम्ही के निवासी शारदा एवं ज्योति उइके दोनों भाई-बहन द्वारा उनके परिवार को समाज बष्हिकृत कराने का आरोप लगाया गया है। और बताया गया कि उनके पिता ओमकार उइके को वन विभाग से मिली भूमि कक्ष क्रमांक-566 पर दूसरे का कब्जा करा दिया गया है,जिसकी शिकायत पिछले दिनों दोनों भाई-बहन द्वारा जिला कलेक्टर एवं एसपी कार्यालय में की गई है।शिकायत पत्र पर उल्लेख किया गया है कि पिता की जमीन पर सरपंच द्वारा 25 लाख रूपये की लागत से शासकीय तालाब निर्माण कराया जा रहा था,तब विरोध व शिकायत करने पर तालाब निर्माण का कार्य रोका गया तभी से सरपंच एवं उनके समर्थक पीड़ित परिवार से दुर्भावना रखते हुए नाराज चल रहे हैं।और तालाब निर्माण का कार्य उक्त भूमि के पास दूसरे स्थान पर कराया जा रहा था। इस दौरान पीड़ित परिवार की जमीन में गेहूं एवं सब्जियों की फसल को मवेशियों से चरवा दिया गया साथ ही निर्माण कार्य के मटेरियल सप्लायर बीजाडांडी निवासी कमलेश यादव द्वारा भी फसल के ऊपर से परिवाहन किया गया जिससे फसल चौपट हो गई।जब इसका विरोध किया गया तब उस समय कहा गया था कि तालाब निर्माण के बाद क्षतिपूर्ति राशि दे दी जायेगी।जब राशि मांगी गई तो कह दिया गया,जो लगे सो कर लो अब कुछ नहीं मिलने वाला और ऊपर से गुस्साएं सरपंच एवं उनके साथियों द्वारा उपजाऊ सिंचित भूमि पर दूसरे व्यक्ति सोमरतन नरेती का कब्जा करवाते हुए पीड़ितो को समाज से बष्हिकृत कर दिया गया है।सरपंच की हिटलरशाही हुकूमत से त्रस्त पीड़ित परिवार न्याय पाने यहां-वहां भटक रहा है।इस मामले में सामाजिक नेताओं को भी आगे आकर पीड़ितों की मदद करना चाहिए।

जिले में 193 बीएलओ को दिया गया प्रशिक्षण

मंडला। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बूथ लेवल ऑफिसर्स को प्रशिक्षित किए जाने का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में जिले के विधानसभा क्षेत्र 105-बिछिया (अजजा) के मतदान केन्द्र क्रमांक 41 से 81 तक कुल 40 बीएलओ के लिए बीआरसी भवन सभाकक्ष घुघरी में, विधानसभा क्षेत्र 106-निवास (अजजा) के मतदान केन्द्र क्रमांक 36 से 68 तक कुल 33 बीएलओ के लिए जनपद सभाकक्ष बीजाडांडी में, मतदान केन्द्र क्रमांक 69 से 118 तक कुल 50 बीएलओ के लिए जनपद सभाकक्ष नारायणगंज में, मतदान केन्द्र क्रमांक 119 से 146 तक कुल 28 बीएलओ के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) निवास के कार्यालय में तथा विधानसभा क्षेत्र 107-मण्डला के मतदान केन्द्र क्रमांक 279 से 320 तक 42 बीएलओ के लिए रानी दुर्गावती शास.स्नातकोत्तर महाविद्यालय मण्डला के ऑडीटोरियम में बीएलओ के प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्र के कुल 193 बीएलओ को प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा बीएलओ के कर्तव्य, फार्म 6, 7, 8 को भरना, मोबाईल ऐप से फार्मों को ऑनलाईन करना, डोर-टू-डोर सर्वे के दौरान बीएलओ के कर्तव्य, आचरण, केस स्टडी, ग्रुप स्टडी, गहन पुनरीक्षण आदि के संबंध में विस्तार से बताया गया। प्रशिक्षण सत्र के बाद प्रशिक्षणार्थी बीएलओ का गूगल लिंक के माध्यम से टेस्ट भी लिया जा रहा है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 16 जुलाई 2025 तक जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्र के सभी 945 बीएलओ को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। उक्त प्रशिक्षण प्राप्त करना सभी बीएलओ के लिए अनिवार्य है। ऐसे बीएलओ जो अतिवृष्टि/बाढ़ या अन्य अपरिहार्य कारणों से अपने सत्र के निर्धारित प्रशिक्षणों में अभी तक सम्मिलित नहीं हो सके हैं, वे अपने निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को अवगत कराकर आगामी सत्र के प्रशिक्षणों में सम्मिलित हो सकते हैं। यदि कोई बीएलओ जानबूझकर अनुपस्थित रहता है तो उसके विरूद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

शिक्षा के प्रकाश से जीवन को आलोकित करने वाले

गुरुओं का आभार व्यक्त करती मध्यप्रदेश सरकार की अनूठी पहल

गुरु पूर्णिमा महोत्सव

कमला नेहरू सांदीपनि कन्या विद्यालय, भोपाल का लोकार्पण

एवं

विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिल वितरण शुभारंभ कार्यक्रम

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

10 जुलाई, 2025 । दोपहर 12:30 बजे

कमला नेहरू सांदीपनि कन्या विद्यालय, भोपाल

तपोधरा मध्यप्रदेश ऋषि परंपरा की जीवंत धरोहर है। भारतीय संस्कृति में गुरु को ईश्वर से भी बड़ा माना गया है। हमारा प्रदेश **महर्षि सांदीपनि, जगतगुरु श्रीकृष्ण एवं अनेक कालजयी गुरुओं जैसे महर्षि वेद व्यास, अत्रि, अगस्त्य, च्यवन ऋषि, परशुराम, विश्वामित्र, दत्तात्रेय, ऋषि जाबाली, गालव ऋषि, पतंजलि, महावीर स्वामी, आदिशंकराचार्य, मत्स्येन्द्रनाथ, भर्तृहरि, चार्वाक, भरतमुनि, श्री वल्लभाचार्य, स्वामी हरिदास, गुरु नानकदेव, संत सिंगाजी, सेन भगत, संत रविदास, स्वामी जदरूप** आदि की तपोभूमि और कर्मस्थली रही है। उनके तप, त्याग और ज्ञान से हमारे देश-प्रदेश ने सदैव ही दिशा पाई है। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर हम उन सभी पूज्य गुरुओं का सादर वंदन करते हैं। सभी प्रदेशवासियों को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक मंगलकामनाएं।

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

D-11061/25

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents | @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh | @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP | JansamparkMP